पटना ● गुरुवार, 24 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6, अंकः106 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

कल्याणपुर विधानसभा का चुनाव हो... 3 www. bordernewsmirror.com रानी मुखर्जी की मर्दानी 3... 7

ताज को निहारते रह गए वेंस

● अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने पत्नी और बच्चों के साथ किया ताजमहल का दीदार, सिटी पैलेस का दौरा रद्द

आगरा/जयपुर (एजेंसी)। भारत दौरे पर आए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जयपुर के सिटी पैलेस जाना था, लेकिन यह दौरा रद्द कर दिया गया है। माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यह फैसला लिया गया। इससे पहले बुधवार सुबह वेंस और उनके परिवार से आगरा में ताजमहल देखा बस देखते ही रह गए। करीब 3 घंटे आगरा में बिताने के बाद वे जयपुर लौट आए। फिलहाल वेंस और उनका परिवार रामबाग पैलेस होटल में हैं। वे गुरुवार सुबह साढ़े 6 बजे अमेरिका रवाना होंगे।

जम्मू-कश्मीर में सेना की 10 घंटे में दूसरी मुठभेड़

● कुलगाम में आतंकियों पर फायरिंग जारी थी; सुबह बारामूला में दो घुसपैठिए मार गिराए थे

कुलगाम (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई है। बुधवार शाम को तंगमर्ग इलाके में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के घेरा है। दोनों ओर से फायरिंग हो रही है। अतिरिक्त सुरक्षाबल मौके पर भेजा गया है। आज सुबह ही बारामूला के उरी सेक्टर में एलओसी के पास आतंकी घुसपैठ की कोशिश की गई थी। सेना ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया। यहां भी सर्चिंग जारी है। सेना के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने 2-3 आतंकियों को घुसपैठ की कोशिश करते देखा था।

म.प्र.- राजस्थान सहित 14 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

● छत्तीसगढ़ में लू से मजदूर की मौत; 12 राज्यों में आंधी-बारिश

नईदिल्ली (एजेंसी)। अगले 5 दिन राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली सहित कई राज्यों में तापमान 5 डिग्री तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने बुधवार को दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित 14 राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। इस दौरान कई राज्यों में तापमान 3-5 डिग्री तक बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में अगले 5 दिन में अधिकतम तापमान 47 डिग्री पहुंचने का अनुमान है। राजस्थान के 4 जिलों में लू का यलो अलर्ट है। 14 शहरों में मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंच गया था। वहीं, एमपी के 6 जिलों में हीटवेव के आसार है। खजुराहो, नौगांव, पन्ना, सीधी में तापमान 45 डिग्री या इससे अधिक रह सकता है।

तुर्किये के इस्तांबुल में 6.2 तीव्रता का भूकंप

● 1 घंटे में भूकंप के 3 बड़े झटके, मरमारा सागर में था भूकंप का केंद्र

अंकारा (एजेंसी)। तुर्किये के इस्तांबुल में आज 6.2 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया। इसका केंद्र इस्तांबुल के पास मरमारा सागर में था। तुर्किये की इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बुधवार को बताया कि भूकंप से अभी तक किसी तरह के नुकसान या चोट की कोई खबर नहीं है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भी भूकंप की पुष्टि की है और कहा है कि भूकंप जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप से शहर और आसपास के इलाकों में बड़े झटके महसूस किए गए।

अमित शाह ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शाह बैसरन घाटी पहुंचे। यहां उन्होंने हमले के पीड़ितों से बातचीत की और अधिकारियों से जानकारी ली। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दो दिन दौरा छोड़ बुधवार सुबह भारत लौट आए हैं। वे सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक करेंगे। शाह ने हमले में मारे गए लोगों के लिए मुआवजे का ऐलान किया एवं घायलों से मुलाकात की।

हरियाणा के लेफ्टिनेंट से लिपटकर रो पड़ी पत्नी

करनाल (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर पति की पार्थिव देह देखकर पत्नी हिमांशी भावुक होकर लिपट गई। करनाल में पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए फूलों से सजाया वाहन। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों की गोली से कत्ल हुए करनाल के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की नवविवाहित पत्नी उनकी पार्थिव देह से लिपटकर रो पड़ी। विनय का शव करनाल लाने से पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर लाया गया था। जहां गुरुग्राम की रहने वाली पत्नी हिमांशी ने विनय के लिए कहा- आई एम प्राउड ऑफ यू (मुझे आप पर गर्व है)। हिमांशी ने विनय को सैल्यूट करते हुए जय हिंद कहा।

पर्यटकों की कोलाहल थमी, अशांत हो गई बैसरन घाटी

कश्मीरी बोले- टूरिस्ट नहीं लौटे तो बर्बाद हो जाएंगे

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 27 टूरिस्ट की जान ले ली। यही बात सबसे हैरान करने वाली है। जम्मू-कश्मीर में सैकड़ों आतंकी हमले हुए, लेकिन टूरिस्ट कभी टारगेट नहीं रहे। इसकी वजह थी कि कश्मीर घूमने आने वालों से ही कश्मीरियों के घर चलते हैं। और आतंकी भी ये बात जानते हैं।

टूरिस्ट अब कश्मीर छोड़ रहे हैं। बुकिंग कैंसिल करवा रहे हैं। टूरिज्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग यही सोच रहे हैं कि मुश्किल से पटरी पर आ रहा उनका कारोबार इस झटके से कैसे उबरेगा। हालांकि उनका कहना कि हमें पता था ऐसी घटना के बाद ये होगा। आतंकियों की हरकत से हमें भी शर्मिंदगी हो रही है। झील के किनारे बुलेवार्ड रोड पर एक कतार से तिरंगे लहरा रहे थे। टूरिस्ट्स की चहल-पहल थी। आसपास के सभी होटल बुक थे। डल झील में शिकारे तैर रहे थे। सरकार का दावा था कि कश्मीर में पहले के मुकाबले हालात काबू में हैं। कश्मीर की इकोनॉमी टूरिज्म पर ही टिकी है। इससे सबसे ज्यादा फायदा लोकल कश्मीरियों को होता है। कश्मीर में आतंकवाद भड़काने वाले पाकिस्तान की एजेंसियां आतंकी गुटों के जरिए कभी आम कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर संकट पैदा नहीं करते थे। कश्मीर आने वाले टूरिस्ट की संख्या ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुकी थी। इसका सबसे ज्यादा फायदा कश्मीरी दुकानदारों और कारोबारियों को हो रहा था। आम कश्मीरी इस बदलाव से खुश थे। पहलगाम के हमले ने इस पूरी कोशिश को खत्म कर दिया।कश्मीर छोड़ रहे टूरिस्ट, बुकिंग कैंसिल करा रहे। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि इस हमले से कश्मीर के टूरिज्म बिजनेस को झटका लगने वाला है।

टेरर अटैक के बाद घाटी खाली-बुकिंग्स कैंसिल; लौट रहे पर्यटक

हमले के विरोध में पूरा जम्मू-कश्मीर बंद, घाटी में 35 वर्ष में पहली बार इतना बड़ा शटर डाउन

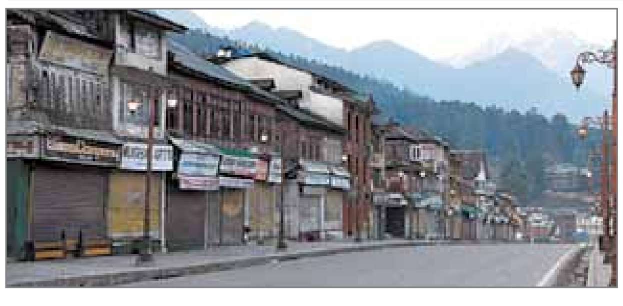

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में 35 साल में पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बुधवार को बंद रहा। पहलगाम पर्यटन स्थल में हुई हत्याओं के विरोध में बंद के आह्वान का सभी क्षेत्रों के संगठनों ने समर्थन किया। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को एक प्रमुख पर्यटन स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए। घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर कड़ी सुरक्षा की गई है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में अधिकांश दुकानें, पेट्रोल पंप और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। उन्होंने बताया कि शहर भर में केवल आवश्यक वस्तुओं की दुकानें ही खुली रहीं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक परिवहन भी कम रहा, लेकिन निजी वाहन सामान्य रूप से चल रहे थे।

घाटी में कई स्थानों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन– अधिकारियों ने बताया कि घाटी में निजी स्कूल भी बंद रहे, लेकिन सरकारी स्कूल खुले रहे। उन्होंने बताया कि घाटी के अन्य जिला मुख्यालयों में भी बंद का असर देखा गया। घाटी में कई स्थानों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की हत्या को रोकने का आह्वान किया।

पाकिस्तान का सैफुल्लाह खालिद पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड

● पीओके से ऑपरेट कर रहा; कहा था- पाकिस्तान सरकार कश्मीर मुद्दा ठंडा न पड़ने दे

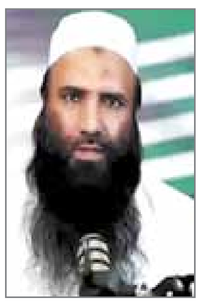

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर आतंकी हमले में अब तक 27 पर्यटक मारे गए और 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के यूनिट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इंटेलिजेंस का दावा है कि टीआरएफ आतंकी सैफुल्लाह खालिद पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड है। वह सैफुल्लाह कसूरी के नाम से भी जाना जाता है। सैफुल्लाह लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ है। उसे लश्कर के संस्थापक आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी माना जाता है। सैफुल्लाह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के रावलकोट का रहने वाला है। वहीं से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को ऑपरेट कर रहा था। उसने मार्च में एक भाषण दिया था, जिसका वीडियो सामने आया है।

दरिंदों के स्केच जारी

सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने पहलगाम अटैक के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टर माइंड लश्कर–ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो पाकिस्तान में मौजूद है। इधर, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी भी जांच के लिए पहलगाम पहुंच गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे। पुलिस ने पूछताछ के लिए सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया है।

28 पर्यटकों की नृशंस हत्या से देश में उबाल

पाकिस्तान को सबक सिखाने की तैयारी...

● पीएम मोदी की हाईलेवल मीटिंग में अमित शाह और डोभाल, राजनाथ के साथ आगे की रणनीति पर मंथन ● रक्षा मंत्री ने तीन सेनाओं के प्रमुख से की बात ● जांच में खुलासा-पहलगाम हमले में 2 लोकल, 3 पाकिस्तानी आतंकी शामिल ● पहलगाम अटैक के 3 संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी, देशभर में विरोध प्रदर्शन

श्रीनगर/नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने बर्बरता दिखाते हुए निर्दोष पर्यटकों को नाम और धर्म पूछकर गोलियों से भून डाला। आतंकी हमले के खिलाफ पूरे देश में गुस्सा है, तो केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवादियों को कड़ी सबक सिखाने की तैयारी में जुट गई है। 28 पर्यटकों का खून माफ नहीं करेगा हिंदुस्तान और आतंकियों और उसके आका पाक को सबक सिखाने की तैयारियां शुरु होगई थी। देशभर में प्रदर्शन हो रहे थे। सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट की बैठक प्रधानमंत्री आवास में जारी थी। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ, एनएसए अजित डोभाल मौजूद हैं। जम्मू-कश्मीर में 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा अटैक के बाद ये सबसे बड़ा हमला है। हमले के कुछ देर बाद श्रीनगर पहुंचे थे गृह मंत्री

अमित शाह ने बुधवार को पहलगाम का एरियल सर्वे किया और बैसरन में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयरफोर्स के एक कार्यक्रम में कहा- पहलगाम हमले के विरोध में जोरदार तरीके से एक्शन नजर आएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा- उनका नापाक मंसूबा कभी कामयाब नहीं होगा

पीएम मोदी ने कहा- पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। इस घिनौने कृत्य के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक मंसूबा कभी कामयाब नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

राष्ट्रपति समेत कई नेता, अभिनेताओं, खिलाड़ियों ने गहरा दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू–कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती, असदुद्दीन ओवैसी, अक्षय कुमार, समेत कई नेता और सेलेब्रिटीज ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और दुख वयक्त किया है...। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा– यह एक नृशंस और अमानवीय कृत्य राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस हमले पर दुख जताया है।

पहलगाम में करतूत से अब खौफ में पाकिस्तान

● भारत के एक्शन के डर से टेंशन में पाकिस्तान, रातभर जागे रहे सेना के अधिकारी

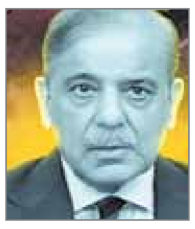

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद से पूरा देश आक्रोशित है। सरकार ने साफ कर दिया है कि इसके हमले को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को बख्शा नहीं जाएगा। उधर पहलगाम हमले के बाद से ही पाकिस्तानी सेना में दहशत फैल गई है। पाकिस्तान को डर सता रहा है कि भारत हमले का बदला लेने के लिए एयरस्ट्राइक कर सकता है। पाकिस्तानी सेना में सीमा पार अलर्ट जारी किया हुआ है और पाक सेना के अधिकारी इसी आशंका के चलते रात भर जगे रहे।

बिहार को बंगाल बनाना चाहते हैं लालू यादव

हम उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह रविवार को नवगछिया अनुमंडल के खरीक प्रखंड स्थित तेलघी गांव पहुंचे। जहां वे डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में शामिल हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद यादव बिहार को पश्चिम बंगाल की राह पर ले जाना चाहते हैं, जबकि ममता बनर्जी पहले ही बंगाल को बांग्लादेश में तब्दील कर चुकी हैं।

गिरिराज सिंह ने कहा, देश देख रहा है कि बंगाल में क्या हो रहा है। वहां की सरकार हिंसा को प्रश्रय दे रही है और अब लालू यादव उसी मॉडल को बिहार में लागू करना चाहते हैं, लेकिन हम उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे। गिरिराज सिंह ने जनसंख्या वृद्धि पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, ÷पिछले 10 साल में भारत की जनसंख्या 21 करोड़ बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या महज ढाई से तीन करोड़ है। यानी हम हर साल एक ऑस्ट्रेलिया पैदा कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को रोजगार की नई परिभाषा समझाते हुए कहा कि आज के दौर में प्राइवेट नौकरी को ही अच्छी नौकरी माना जाना चाहिए।

हर हर महादेव का जयघोष

कार्यक्रम के दौरान गिरिराज सिंह ने लोगों से माय कसम खा के हर हर महादेव कहो का नारा लगवाया और समाज को धर्म, संस्कृति और राष्ट्रवाद के प्रति जागरूक रहने की अपील की। विवादित बयानों के लिए चर्चित गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे के सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश को लेकर दिए गए हालिया बयान पर जब गिरिराज सिंह से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने हाथ जोड़ लिए और बिना कोई टिप्पणी किए आगे बढ़ गए। गिरिराज सिंह का यह बयान न केवल बिहार की राजनीति को गरमा सकता है, बल्कि बंगाल की घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की रणनीति का संकेत भी देता है। वहीं, जनसंख्या नियंत्रण और रोजगार जैसे मुद्दों को छूकर उन्होंने 2024 के बाद के भारत की प्राथमिकताओं पर भी संकेत दिए हैं।

बिहार के किसी भी जिले में जलसंकट नहीं

पटना, एजेंसी। गर्मी चढ़ते ही बिहार में जगह-जगह से पानी के लिए हाहाकार मचने की खबर आने लगती है। इसके बावजूद भारत सरकार की नजर में एक भी निर्जल जिला नहीं है। यानी, कोई भी जिला भूजल के क्रिटिकल या अति दोहन के शिकार की श्रेणी में नहीं है। इसका खुलासा केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट में हुआ है। जलशक्ति मंत्रालय की यह रिपोर्ट हाल में संसद के पटल पर रखी गई है। इसके मुताबिक, देशभर में भूजल के मामले में 122 जिले गंभीर (क्रिटिकल) या अति दोहन (ओवर एक्सप्लॉयटेड) जिलों की श्रेणी में हैं। इनमें बिहार का एक भी जिला नहीं है। इसका मतलब है कि बिहार के किसी भी जिले में जलसंकट नहीं है। जानकारों के मुताबिक, बिहार सरकार के जल-जीवन-हरियाली मिशन के कारण भूजल स्तर की स्थिति में सुधार हो रहा है। पड़ोसी झारखंड भी रेडलाइन से बाहर रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड का कोई भी जिला गंभीर या अतिदोहन के शिकार जिलों की सूची में नहीं है। राजस्थान के 29 जिले, उप्र के 12 जिले, हरियाणा के 17 जिले, मप्र के 07 जिले और पंजाब के 20 जिले भूजल के गंभीर या अतिदोहन के शिकार जिलों की सूची में हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पटना शहर समेत चार इलाके भूजल के अतिदोहन के शिकार हैं। इनमें नालंदा जिले का नगरनौसा और जहानाबाद जिले का रतनी फरीदपुर तथा काको भी शामिल है। इसी तरह नौ इलाके गंभीर स्थिति में हैं। इनमें मुजफ्फरपुर का मुशहरी, नालंदा का गिरियक, पटना का संपतचक, समस्तीपुर का ताजपुर और दलसिंहसराय तथा वैशाली जिले का जंदाहा, पातेपुर, हाजीपुर और राजापाकड़ शामिल हैं। इसके अलावा, 49 इलाके भूजल की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं।

राजगीर में जल्द स्थापित होगा एमएसएमई विस्तार केंद्रःगे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

नालंदा, एजेंसी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय की ओर से राजगीर में एक विस्तार केंद्र की स्थापना शीघ्र ही की जाने वाली है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें हुनरमंद बनाना और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है। यह केंद्र अपने विविध कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय युवाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। परियोजना प्रबंधक सचिन कुमार ने इस अवसर पर बताया कि ÷विस्तार केंद्र में लगभग 10 करोड़ रुपए के निवेश से विभिन्न प्रकार की आधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी। युवाओं को इन मशीनों के संचालन और उत्पाद निर्माण की बारीकियां सिखाई जाएंगी।÷ उन्होंने यह भी बताया कि राजगीर में केंद्र के लिए उपयुक्त स्थल का चयन प्रक्रियाधीन है और आशा व्यक्त की कि जल्द ही इसकी स्थापना संपन्न हो जाएगी।

आसपास के युवाओं के लिए भी अवसर

यह केंद्र न केवल राजगीर बल्कि आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी वरदान साबित होगा। सरकार की योजना राजगीर के अलावा गया सहित अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के विस्तार केंद्र स्थापित करने की है। राजगीर पहले से ही एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र के रूप में पहचाना जाता है। यहां हस्तशिल्प, रेडीमेड वस्त्र, खाद्य एवं कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण उद्योग, फुटवियर, लकड़ी शिल्प, और स्टील अलमारी निर्माण जैसे कई उद्योग पहले से ही संचालित हैं। ऐसे में यह नया विस्तार केंद्र इन उद्योगों के विकास में उत्प्रेरक का काम करेगा।

नई दिल्ली–पटना तेजस राजधानी एक्सप्रेस में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, हड़कंप

पटना, एजेंसी। नई दिल्ली-पटना तेजस राजधानी एक्सप्रेस में एक नाबालिग लड़की से छेड़खानी की सूचना से रेलवे में हड़कंप मच गया। आरपीएफ और जीआरपी की टीम जांच में जुट गई, लेकिन छेड़खानी करने वाले का पता नहीं चला। परिजनों ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। बताया जाता है कि राजधानी एक्सप्रेस में सोमवार को एक यात्री परिवार के साथ सफर कर रहे थे। प्रयागराज से जब ट्रेन पटना के लिए बढ़ी तो किसी ने देर रात सोई बच्ची के साथ छेड़खानी कर दी। शोर मचाने पर परिजन जग गए। इस पर आरोपित भाग गया। परिजनों ने रेलवे के टोल फ्री नंबर पर सूचना दी।

कार के सीक्रेट चैंबर से 58.5 किलो चांदी बरामद-बांका में पश्चिम बंगाल के दो तस्कर गिरफ्तार

संदिग्ध कार की तलाशी में मिली कामयाबी

बांका, एजेंसी। बांका में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान एक कार से 58 किलो 480 ग्राम चांदी के जेवरात बरामद किया। मौके से पश्चिम बंगाल के दो तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बाराहाट पुलिस ने यह कार्रवाई का है। मंगलवार की देर शाम बाराहाट पुलिस ने भागलपुर-हंसडीहा सड़क मार्ग पर यह करवाई किया। इस दौरान पूछताछ और जांच पड़ता चलता रहा।

पश्चिम बंगाल के 2 तस्कर गिरफ्तार

बाराहाट थानाध्यक्ष दीपक पासवान ने बताया कि भागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग पर वाहन जांच की जा रही थी। एक संदिग्ध कार की तलाशी में उसके अंदर बने गुप्त तहखाने से भारी मात्रा में चांदी के जेवर मिले। इलेक्ट्रिक तराजू पर मापने पर बरामद चांदी कुल वजन 58 किलो 480 ग्राम निकला। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर निवासी गुरु प्रसाद करमोकार और अमन मलिक हैं। पूछताछ में पता चला कि वे चांदी को पश्चिम बंगाल से दरभंगा ले जा रहे थे।

तस्करी रैकेट के सदस्यों को तलाश जारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ अविनाश कुमार और एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने मौके का जायजा लिया। एसडीपीओ के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने बताया कि मामले की सूचना इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग को दी गई है। दोनों विभाग जल्द ही चांदी के स्रोत और कर चोरी की जांच करेंगे। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नालंदा में 4 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के कतरीसराय में साइबर थाना पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी धनी एप के माध्यम से लोगों को कम ब्याज पर लोन और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का झांसा देकर ठगी कर रहे थे। साइबर डीएसपी ज्योति शंकर ने बताया कि यह गिरोह जवाहरचक गांव में सक्रिय था और इस कार्रवाई में पुलिस ने उनके कब्जे से 13 मोबाइल फोन समेत कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में कर्नाटक के गुलबर्गा निवासी मनोज बक्सिधर जो इस गिरोह का मुख्य सरगना बताया जा रहा है, जवाहरचक गांव के अशोक महतो की बेटा कुश कुमार और रंजीत कुमार (जो सहोदर भाई हैं) और महेश चौधरी का बेटा अमरजीत कुमार शामिल हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में घटना को अंजाम दिया : डीएसपी शंकर ने बताया कि आरोपियों ने कम ब्याज दर पर व्यक्तिगत ऋण तथा सरकारी योजनाओं का लालच देकर कई लोगों को अपने जाल में फंसाया था। इसके लिए वे फर्जी दस्तावेजों और झूठे वादों का सहारा लेते थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह गिरोह देश के विभिन्न हिस्सों में साइबर अपराध की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। पुलिस अब इनके नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि इनके अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी, 6 साइबर ठग गिरफ्तार

नवादा, एजेंसी। साइबर अपराध के खिलाफ नवादा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसपी अभिनव धीमान के निर्देश पर पुलिस ने ऑनलाइन लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना पर के आधार पर वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में की गई।

गुप्त सूचना पर पुलिस की छापेमारी

डीएसपी महेश चौधरी ने मंगलवार को वारिसलीगंज थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि पुलिस को टाटी मीर बिगहा गांव में साइबर ठगों की सक्रियता की सूचना मिली थी। इसके बाद एक विशेष टीम बनाकर छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान आरोपी भागने लगे, लेकिन चार लोगों को मौके पर ही दबोच लिया गया। पुलिस को पूछताछ के दौरान दो अन्य आरोपियों के मालिचक गांव में छिपे होने की जानकारी मिली, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

6 आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और डेटा शीट बरामद : गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रितेश कुमार, विनय कुमार, जालेंधर कुमार, रोहित कुमार, त्रिवेणी कुमार और जयपाल कुमार शामिल हैं। ये आरोपी धनी फाइनेंस एंड सर्विस समेत कई अन्य फर्जी कंपनियों के नाम से ऑनलाइन लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों को ठगते थे। छापेमारी के दौरान 6 मोबाइल फोन और 13 डेटा शीट बरामद की गई हैं। इन डेटा शीट्स में लोगों के नाम, मोबाइल नंबर और अन्य संवेदनशील जानकारियां दर्ज थीं, जिन्हें ठगी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है।

बंधकों को छुड़ाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया पथराव

नवादा, एजेंसी। नवादा के कौआकोल थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। घटना टीकोडीह गांव की है, जहां स्थानीय लोगों ने धनबाद के चार व्यक्तियों को बंधक बना रखा था। सूचना मिलते ही कौआकोल थाने की पुलिस टीम बंधकों को छुड़ाने के लिए गांव पहुंची। पुलिस को देखते ही ग्रामीण उग्र हो गए। उन्होंने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

धनबाद के 4 व्यक्तियों को बनाया बंधक

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, टीकोडीह गांव के लोगों और धनबाद के चार व्यक्तियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते ग्रामीणों ने उन्हें बंधक बना लिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गया में 3 शराब तस्करों को किया गिरफ्तार-कार में सैकड़ों बीयर की बोतलें हुईं बरामद

गया, एजेंसी। गया में उत्पाद विभाग की टीम ने नेशनल हाईवे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 शराब तस्करों को पकड़ा है। दो अलग-अलग मामलों में भारी मात्रा में शराब जब्त की गई है। 3 में से 2 शराब तस्कर नीतीश कुमार और करण कुमार कार से शराब ले जा थे। कार से सैकड़ों बीयर की बोतलें बरामद हुई हैं। वहीं दूसरी कार्रवाई में एक बाइक सवार 40 लीटर शराब के साथ पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार, समेकित जांच चौकी के पास उत्पाद विभाग की टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कार की तलाशी में पिछले सीट से बियर की बोतलें भरी पाई गईं। कार सवार दो तस्कर करण कुमार और नीतीश कुमार को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों बाराचट्टी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पहले भी इसी रास्ते से गुजर चुके : शुरुआती पूछताछ में इन्होंने शराब को बाहर से लाकर बिहार में खपाने की योजना बताई है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में भी वे शराब लेकर इसी रास्ते से कई बार क्रॉस कर चुके हैं। लेकिन इस बार वे धरे गए। वहीं दूसरी ओर, मोहनपुर थाना क्षेत्र के धीरज कुमार को उस समय रंगे हाथ पकड़ लिया गया। जब वह बाइक से शराब की धुलाई कर रहा था। तलाशी में उसके पास से 40 लीटर देसी शराब बरामद हुई।

रोजगार मेला में 354 युवाओं का किया चयन-दरभंगा के बेनीपुर प्रखंड में लगा जॉब कैंप

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में श्रम संसाधन विभाग पटना के निर्देश पर अवर प्रादेशिक नियोजनालय दरभंगा ने मंगलवार को बेनीपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला आयोजित किया।

मेले में तकनीकी और गैर तकनीकी क्षेत्र के 19 नियोजकों ने भाग लिया। मेले में 411 शिक्षित बेरोजगारों से बायोडाटा लिया गया। इनमें से 354 आवेदकों का औपबंधिक चयन किया गया।

ये कंपनियां हुईं शामिल

इनमें नेहा एंटरप्राइजेज, चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड, स्वतंत्र फाइनेंस, एलआईसी ऑफ इंडिया, एचआरवीएस, पीपल ट्री वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, आमधने प्राइवेट लिमिटेड, फैक्ट्री काम, डेल्हीवेरी लिमिटेड, शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड, फ्यूजन फाइनेंस, नव भारत फर्टिलाइजर्स, बालाजी बायो प्लांटेसीक टेक्नोलॉजी, विजन इंडिया, ग्राम रूरल/जीएसए फाउंडेशन, ओरबेल इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सानवी ग्रीन टेक प्राइवेट लिमिटेड, रेट्रोफिट, श्रमसाध्य कार्यालय और एटमा शामिल रहे।

इन्होंने मेले का किया उद्घाटन

मेले का उद्घाटन विधायक बेनीपुर विनय कुमार चौधरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार, प्रमुख चौधरी मुकुंद कुमार राय, उपनिदेशक नियोजन आशीष आनंद, सहायक निदेशक नियोजन नीतीश कुमार सिन्हा, नियोजन पदाधिकारी मृणाल कुमार चौधरी और निशांत रंजन ने संयुक्त रूप से किया। विधायक ने युवाओं से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक और रुचि रखने की अपील की।

मेला सफल बनाने में अमिय कुमार, एजाज हुसैन, रंजीत कुमार, जितेन्द्र कुमार, रीतुराज और मनोरंजन कुमार की भूमिका रही।

2-2 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, बरौनी-पोत्तनूर और पटना-एरनाकुलम के बीच चलेंगी गाड़ियां

गर्मी की छुट्टी को देखते हुए फैसला

बेगूसराय, एजेंसी। गर्मी की छुट्टी के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे की ओर से कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बरौनी-पोत्तनूर (कोयंबटूर) तथा पटना-एरनाकुलम के बीच एक-एक जोड़ी और धनबाद और लोकमान्य तिलक के बीच 2 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। ट्रेन नंबर- 06055 पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल 26 अप्रैल से 24 मई तक प्रत्येक शनिवार को पोत्तनूर (कोयंबटूर) से 11.50 बजे खुलकर सोमवार को 14.30 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 06056 बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल 29 अप्रैल से 27 मई तक प्रत्येक मंगलवार को बरौनी से 23.45 बजे खुलकर शुक्रवार को 03.45 बजे पोत्तनूर पहुंचेगी। यह ट्रेन किउल-झाझा-चितरंजन-धनबाद-रांची-राउरकेला-सम्बलपुर-काटपाड़ी के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 06085 एरनाकुलम-पटना स्पेशल 25 अप्रैल से 30 मई तक प्रत्येक शुक्रवार को एरनाकुलम से 23.00 बजे खुलकर सोमवार को 03.30 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 06086 पटना-एरनाकुलम स्पेशल 28 अप्रैल से 02 जून तक प्रत्येक सोमवार को पटना जंक्शन से 23.45 बजे खुलकर गुरुवार को 10.30 बजे एरनाकुलम पहुंचेगी। यह ट्रेन मोकामा-झाझा-आसनसोल-दानकुनी-खड़गपुर-भुवनेश्वर-के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 03327 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शनिवार को धनबाद से 08.00 बजे खुलकर रविवार को 17.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 03328 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 27 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से 20.00 बजे खुलकर मंगलवार को 08.40 बजे धनबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन बोकारो-लातेहार- डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 03379 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 22 अप्रैल से 24 जून तक प्रत्येक मंगलवार को धनबाद से 22.30 बजे खुलकर गुरुवार को 08.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

मां की फटकार पर बेटी ने की आत्महत्या-मोबाइल चलाने की लत से परेशान थे पैरेंट्स

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में मां की फटकार पर बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मां बेटी के मोबाइल चलाने की बुरी आदत से परेशान थी और इसी से नाराज होकर बेटी को डांट लगाया था। मां के घर से बाहर निकलते ही लड़की कमरे में गई और ये खौफनाक कदम उठा लिया। जैसे ही मां बाहर से लौटी बेटी दुपट्टे के सहारे फंदे से झूलती मिली। हादसे के बाद परिजन किशोरी को लेकर पूर्णिया जीएमसीएच पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना मधुबनी इलाके में घटी है। मृतका काजल कुमारी (17) है। परिजनों ने शव के पोस्टमॉर्टम से इनकार कर दिया है।

सफाई के लिए मां ने कहा था : किशोरी के पिता सन्नी राय ने बताया कि घर में सामान बिखड़ा पड़ा था, मां रानी देवी ने बेटी को घर की साफ सफाई के लिए कहा था। इस काम को पूरा करने के बाद खाना बनाना था। मां जब बाजार से घर लौटी, किशोरी मोबाइल चलाने में मशगूल थी। इसी से गुस्साई मां ने बेटी को जोरदार फटकार लगाई थी। इन सब के बाद पड़ोसी के बुलाने पर मां कुछ मिनटों के लिए घर से बाहर गई थी। इसी बीच मौका पाकर गुस्साई किशोरी ने अपने कमरे में सुसाइड कर लिया। बेटी को कमरे में झूलता देखा मां ने जोरदार आवाज लगाई, जिसके बाद घर के बाकी सदस्य मौके पर पहुंचे और आनन फानन में किशोरी को जीएमसीएच पूर्णिया लाया गया।

संक्षिप्त समाचार

विजयोत्सव पर याद किए गए स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह

शौर्य गाथा पर हुई चर्चा

बीएनएम। मोतिहारी। भारत विकास परिषद् शाखा रक्सौल के द्वारा शहर के कौड़िहार चौक स्थित परिषद कार्यालय में बुधवार को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के 167वें विजयोत्सव पर याद किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले में प्राण गंवाने वाले निहत्थे एवं निर्दोष पर्यटकों की दिवंगत आत्मा के प्रति परिषद के सभी सदस्यों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता रक्सौल शाखा के संरक्षक अवधेश सिंह ने की । इस दौरान कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्वलन के साथ वन्दे मातरम् गायन एवं वीर कुंवर सिंह के तैल चित्र पर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस मौके पर अवधेश सिंह ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते कहा हुए कि सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, भोजपुरिया माटी के महान सपूत अपराजेय योद्धा एवं 80 वर्ष की आयु में अंग्रेजी साम्राज्य का नींव हिलाने वाले बिहार की शान अमर स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह जी को विजयोत्सव पर शुभकामनाएं एवं उन्हें सादर शत-शत नमन है। उन्होंने इस बात को रेखांकित करते हुए यह भी कहा कि आज के दौर में उनका ओजपूर्ण जीवन चरित्र और अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के युवाओं को उनकी वीरतापूर्ण जीवनी के बारे में पढ़ना चाहिए । देश के प्रति उनका शौर्य ,समर्पण, बलिदानी भावना एवं साहसिक कृत्य आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान से हुआ। इस मौके पर परिषद के अवधेश सिंह, योगेन्द्र प्रसाद,सचिव डॉ राजेन्द्र प्रसाद सिंह, मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी, सुनील कुमार, अजय कुमार, सुरेश धानोठिया,विनोद रौनियार, बिमल सर्राफ,राम एकबाल प्रसाद, देवेन्द्र सिंह एवं सौरभ कुमार समेत कई सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर किया गया पौधा रोपण

बीएनएम। मोतिहारी। महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव का संरक्षण प्राप्त हुआ।उन्होंने अपने संदेश में कहा कि पृथ्वी मानव को जीवन प्रदान करने का एक उत्तम ग्रह है। इसलिए पृथ्वी को पुनः एक हरा भरा तथा सुगम जीवन योग्य ग्रह बनाने का संकल्प भारत सरकार द्वारा लिया गया। भारत सरकार प्रत्येक नीतियों का अनुवर्तन महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय बड़ी सक्रियता से करता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भारत सरकार के 'एक पेड़ मां के नाम' की इकाई स्थापित है। जिसके तहत पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी अनेक गतिविधियों का क्रियान्वयन निरन्तर किया जाता है। इस अवसर पर गाँधी भवन परिसर के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. श्याम नंदन, 'एक पेड़ मां के नाम' के नोडल ऑफिसर डॉ. बबलू पाल, हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनुपम कुमार वर्मा, डॉ. अरुण दुबे, अतिथि प्रवक्ता समाज कार्य विभाग, अर्थशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य राम लाल बगाड़िया आदि अनेक शिक्षक तथा विश्वविद्यालय के अनेक विभागों के विद्यार्थी तथा शोधार्थी इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लिए।

तुरकौलिया में खेल मैदानों का डीडीसी ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश

बीएनएम। तुरकौलिया। डीडीसी शंभु शरण पाण्डेय ने तुरकौलिया प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में मनरेगा योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन खेल मैदानों का निरीक्षण किया। उन्होंने सपही पंचायत के मंझरिया, तुरकौलिया मध्य, बिजुलपुर और चारगंहा पंचायत सहित कई स्थलों पर जाकर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीडीसी ने मनरेगा कर्मियों को निर्देश दिया कि खेल मैदानों के निर्माण कार्य में तेजी लाएं ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रशिक्षण का बेहतर अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि ये खेल मैदान युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और अपने गांव, जिला, राज्य व देश का नाम रोशन करने का अवसर देंगे। डीडीसी ने कुल 11 पंचायतों में बन रहे खेल मैदानों की समीक्षा की, जिनमें से 5 पंचायतों में खेल मैदान पूर्ण रूप से तैयार हो चुके हैं। इसके पश्चात उन्होंने प्रखंड कार्यालय परिसर में आवास योजनाओं की प्रगति की भी जानकारी ली और जीविका भवन से संबंधित स्थिति की समीक्षा की। इस अवसर पर डीपीओ मनरेगा राजेश सिंह, डीआरडीए निदेशक, तकनीकी सहायक कन्हैया कुमार, पीटीए उपेन्द्र सिंह, अभिषेक कुमार, रोजगार सेवक गौरव सुमन और शाहबुद्दीन सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मारपीट के मामले में एक गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत विजुलपुर पंचायत के वेलवा पोखर के मुकेश साह शराब पीकर अपने भाई राकेश साह की पत्नी छोटी देवी के साथ मारपीट कर रहा था। सूचना पर पुलिस ने पकड़कर मुकेश साह को जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मारपीट को लेकर छोटी देवी ने थाना पर आवेदन दिया है। जहां विवाहिता और उसके भैसुर को थाना पर बुलाया गया था। जहां मुकेश के मुंह से शराब का बदबू निकल रहा था। ब्रेथ एनलाइजर से जांच करने पर शराब पीने की पुष्टि होने पर महिला के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

सीधी बात

कल्याणपुर विधानसभा का चुनाव हो सकता है रोचक, परिसीमन के बाद अस्तित्व मे आया था यह विधानसभा

सागर सूरज

परिसीमन के बाद तीन चुनाव हुये और हर बार जीते हुये प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा है। इस बार राजद के मनोज यादव 'एंटी- इनकम्बेंसी' तो झेलेंगे ही, परंतु कोटवा - दिपऊ विवाद राजद प्रत्याशी को लाभ दे सकता है। कोटवा हाइवे पर दिपऊ मोड पर प्रशासन द्वारा लगाए जा रहे बैरीयर को उखाड़ने के आरोप मे विधायक मनोज यादव एवं उनके समर्थकों पर प्रशासन ने मुकदमा दर्ज किया। इधर भाजपा प्रत्याशी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्यों का लाभ मिल सकता है।

विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ ही कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र मे चुनावी गर्माहट तेज हो गई। 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व मे आए इस विधान सभा क्षेत्र मे महज दो प्रखण्ड आते है, एक तो कल्याणपुर और दूसरा कोटवा। यही कारण है कि एनएच- 27 इस विधान सभा क्षेत्र को दो भागों मे विभक्त करती है। परिसीमन से पहले यह क्षेत्र केसरिया विधानसभा क्षेत्र मे आते थे । अब भी केसरिया विधान सभा मे कल्याणपुर प्रखंड के कुछ पंचायत शामिल है।

परिसीमन के बाद पहली बार 2010 मे चुनाव सम्पन्न हुए थे, जिसमें जदयू के रजिया खातून विधायक बनी थी । इस चुनाव मे मनोज यादव दूसरे नंबर पर थे। सीपीआई के रामायण सिंह तीसरे नंबर पर थे।

उसके बाद 2015 मे हुये चुनाव मे भाजपा के सचिन्द्र प्रसाद सिंह विधायक बने । जबकि 2015 मे रजिया खातून महागठबंधन की उम्मीदवार थी, जिन्हे दूसरे स्थान पर जाना पड़ा । इस चुनाव मे मनोज यादव आरजेडी से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े थे, और तीसरे स्थान पर आ गए थे।

2020 के चुनाव मे राजद के मनोज कुमार यादव लगभग 1200 मतों के अंतर से भाजपा के सचिन्द्र प्रसाद सिंह को चुनाव हरा दिया था, तब जदयू और भाजपा एक साथ चुनाव मैदान मे थे । 2020 मे बसपा से चाँद मियां भी चुनाव लड़े थे और तीसरे नंबर पर रहते हुये छह हजार के आस पास मत लाया था।

इस बार 2024 मे फिर जदयू- भाजपा साथ-साथ चुनाव लड़ती प्रतीत हो रही है और अगर भाजपा और जदयू के सीटों मे कोई फेर- बदल नहीं हुआ तो राजद और भाजपा अपने पुराने घोड़े पर ही दांव लगाना चाहेंगे। जाहीर है इस सीट पर लड़ाई गंभीर होगी।

परिसीमन के बाद तीन चुनाव हुये और हर बार जीते हुये प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा। इस बार राजद के मनोज यादव 'एंटी- इन्कमबंसी' तो झेलेंगे ही, परंतु कोटवा - दिपऊ विवाद राजद प्रत्याशी को लाभ दे सकता है। कोटवा हाइवे पर दिपऊ मोड पर प्रशासन द्वारा लगाए जा रहे बैरीयर को उखाड़ने के आरोप मे विधायक मनोज यादव एवं उनके समर्थकों पर प्रशासन ने मुकदमा दर्ज किया। इधर भाजपा प्रत्याशी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्यों का लाभ मिल सकता है।

इधर क्यास ये भी लगाए जा रहे है कि कल्याणपुर विधानसभा जदयू के खाते मे जा सकती है और केसरिया भाजपा के खाते मे। लेकिन इसकी संभावना काफी कम है। कल्याणपुर विधान सभा क्षेत्र के बगल मे स्थित केसरिया विधान सभा क्षेत्र को जहां विश्व के सबसे ऊंचे बौद्ध स्तूप होने का गौरव प्राप्त है, वही कल्याणपुर के कैथवलिया मे बन रहे विराट रामायण मंदिर को लेकर दावा किया जा रहा है, कि यह विश्व का सबसे बड़ा मंदिर होगा जो कंबोडिया के अँकोरवाट मंदिर के तर्ज बन रहा है । यह मंदिर पटना हनुमान मंदिर के ट्रस्ट द्वारा बनाया जा रहा है ।

पूर्व विधायक मो. अब्दुल्ला की पत्नी रजिया खातून 2010 मे विधायक बनी थी और 2015 की चुनाव मे दूसरे नंबर पर आ गई थी, बगल के विधान सभा केसरिया मे जदयू की महिला विधायक शालिनी मिश्रा के होने से किसी दूसरे महिला को जदयू द्वारा फिर से टिकट देने की संभावना काफी कम है। शमिली मिश्रा वामपंथी नेता पूर्व कमला मिश्र मधुकर की पुत्री है। कमला मिश्र 'मधुकर' मोतिहारी संसदीय क्षेत्र से चार बार सांसद रह चुके है।

आंतकी हमले में मारे गए पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए किया गया मौन धारण

बीएनएम। मोतिहारी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले में मारे गए पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए मौन धारण किया गया, उसके उपरांत विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य द्वार के बाहर कार्यकर्ताओं ने आतंकवादियों का पुतला दहन कर आक्रोश जताया एवं सरकार से अविलम्ब कार्रवाई की मांग की। पुतला दहन के दौरान विश्वविद्यालय इकाई उपाध्यक्ष मानस जयसवाल ने कहा की आतंकवाद के नाम पर कब तक मासूम लोगों की बलि चढ़ती रहेगी। सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवाद के विरुद्ध मजबूत कार्य योजना बनाकर काम करने की जरूरत है साथ ही देश के अंदर देश विरोधी तत्वों को चिन्हित करके दंडित करने की आवश्यकता है। पुतला दहन के दौरान ऋषभदेव शुक्ला, डॉ. अरुण दूबे, विनय कुमार, अनिकेत, अंकुश सिंह, मोहित वर्मा, मुकेश प्रसाद, आशुतोष, रवि, रविकरण, महेश, सूरजभान, धीरज, पवन, अरमान कुमार, सत्यम पाण्डे, अदिति सुरभि, मिल्की, कुसुम, सृजना, अशिका, प्राज्प्रांजलि, आयुष, अभिषेक, सुधांशु, मदन, तरुण, संतोष कन्नौजिया सहित विश्वविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

डॉ. नियाज़ अहमद राना की पत्नी इंशा परवीन को मिला गोल्ड मेडल

बीएनएम। मोतिहारी

पड़ोसी जिला मुजफ्फरपुर के प्रख्यात हृदय रोग विशेषज डॉक्टर नियाज़ अहमद राना की पत्नी इंशा परवीन को उर्दू भाषा में टॉप करने पर गोल्ड मेडल से सुशोभित किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरेराज अनुमंडल के परसा गांव निवासी और मुजफ्फरपुर के प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नियाज़ अहमद राना की पत्नी इंशा परवीन को (एमए) उर्दू भाषा में टॉप करने पर नालन्दा ओपेन यूनिवर्सिटी ने गोल्ड मेडल से सुशोभित किया है। पटना में आयोजित 17 वें दीक्षांत समारोह में चांसलर आरिफ मुहम्मद खान ने इंशा परवीन को गोल्ड मेडल से नवाजा। चकिया नगर परिषद के वॉर्ड 12 निवासी मुख्तार आलम वो इस्मत परवीन की सुपुत्री इंशा परवीन एक शैक्षणिक घराने से संबंध रखती हैं और आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में उनके परिवार के सदस्यों और सगे संबंधियों ने ऊंचा मकाम हासिल किया है। मौलाना अब्दुल मोहसिन तैमी (प्रिंसपल) मौलाना अब्दुल कैयूम अशर (अनुवादक) डॉक्टर हातिम जावेद चिकित्सा पदाधिकारी मेंहसी, डॉक्टर अल्ताफ इकबाल डेंटल सर्जन चकिया, इंजीनियर शाहिद नवाज, इरशाद आलम, इंजिनियर अकमल राशि, इंजिनियर फैज़ उमर इंजिनियर शारिक जमील, इंजिनियर ज़ेबा गानिया, डॉक्टर पैकर आलिया अपने-अपने इल्म वो हुनर से देश और समाज की सेवा कर रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उर्दू भाषा से चकिया नगर परिषद ने पहली बार किसी महिला को गोल्ड मेडल मिला है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश में शिक्षा विभाग में प्रिंसपल के पद को सुशोभित करने वाले इस्लामिक विद्वान डॉक्टर अब्दुल मोहसिन तैमी ने कहा कि इंशा परवीन की ये कामयाबी कुअवां गांव के छात्राओं के लिए मील का पत्थर साबित होगी और निकट भविष्य में लड़कियां और अच्छा प्रदर्शन करेंगी। इस अवसर इंशा परवीन ने कहा कि एक प्रोफ़ेसर की हैसियत से देश की सेवा करना उनका परम लक्ष्य है। पत्रकार एवं इंशाइया निगार शकील शागिल, महजबीं अंसारी, गुंचा परवीन, ऊरूसा परवीन और उरुबा परवीन ने अपनी बहन की कामयाबी पर ख़ुशी का इज़हार किया है।

पोषण के बारे में लोगों को जागरूक करना जरुरी

» गर्भावस्था से बच्चों के जन्म के बाद 2 वर्ष का आयु जो कि बच्चों के विकास के लिए बेहद अहम होता है

» आंगनबाड़ी केंद्रों पर कराई जा रही गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में 08 से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा चलाई गईं। इस दौरान केंद्रों पर संचालित कार्यक्रम की जानकारी हेतु अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अरुण कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड अभिसरण कार्य योजना (बीसीएपी) की बैठक अरेराज अनुमंडल सभागार में की गई। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों पर कराई जा रही समुदाय आधारित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में पोषण पखवाड़े के प्रमुख थीम और गतिविधियों पोषण अभियान का उद्देश्य, सही पोषण संतुलित आहार, स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने के बारे में जानकारी लीं गईं। वहीं पोषण के बारे में अधिकारियों ने जानकारी देते हुए पोषण के बारे में बताया की जीवन के प्रथम हजार दिन जिसमें गर्भावस्था से बच्चों के जन्म के 2 वर्ष का आयु जो कि बच्चों के विकास के लिए बेहद अहम होता है, पोषण पखवाड़ा स्वस्थ भोजन के विकल्पों को बढ़ावा देकर बचपन के मोटापे पर भी ध्यान केंद्रित करता है। मौके पर कुपोषण क़ो समाज से मुक्त करने के लिए उपस्थित अधिकारियों ने शपथ भी लिया। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा की आँगनबाड़ी केंद्रों का समय से संचालन होना चाहिए, गोदभराई, अन्नप्राषण, टीकाकरण व अन्य कार्यक्रम का संचालन होना चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के अभिभावकों क़ो पोषण से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी दी जानी चाहिए ताकि बच्चे स्वस्थ रहें। मौके पर अरेराज अनुमंडल के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, आपूर्ति विभाग, जीविका, मनरेगा के पदाधिकारी एवं प्रखंड समन्वयक उपस्थित थे।

सरकार की विकासात्मक योजनाओं का किया जाए प्रचार-प्रसार

बीएनएम। मोतिहारी

डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान अंतर्गत बुधवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर शहर के समाहरणालय से रवाना किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रचार रथ के माध्यम से जिला के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ महादलित टोले में सरकार की विकासात्मक योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा साथ ही इसे समग्र अभियान के तहत किया जा रहे आयोजनों को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर वहां उपस्थित जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि यह प्रचार रथ जिला को 10 दिनों के लिए प्राप्त हुआ है जिसमें जिला के सभी प्रखंडों को कवर किया जाएगा।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत-नेपाल सीमा पर बढी चौकसी

» आने-जाने वालों की हो रही है गहन जांच

बीएनएम। मोतिहारी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को चौकस कर दिया गया है। एसएसबी 47वीं वाहिनी के जवानो ने भारत-नेपाल मैत्री पुल, पंटोका बॉर्डर, सहदेवा बॉर्डर, महदेवा बॉर्डर, मुशहरवा बॉर्डर, सिवान टोला बॉर्डर समेत सभी प्रमुख सीमावर्ती स्थानों पर सतर्कता बढ़ा दी है। नेपाल से भारत में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है। यात्रियों के सामान की भी एक्स-रे मशीनों और डॉग स्क्वाड की मदद से छानबीन की जा रही है ताकि कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति सीमा पार न कर सके। एसएसबी 47वीं वाहिनी के उप सेनानायक दीपक कृष्णा ने बताया कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सीमा पर तैनात सभी जवानों को अलर्ट मोड में रखा गया है। उन्हें हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है, जिससे आतंकी संगठन खुली सीमा का फायदा उठाकर भारत में प्रवेश न कर सकें। इसके अतिरिक्त, भारत-नेपाल सीमा की पगडंडियों पर भी गश्त को भी बढ़ा दिया गया है। एसएसबी के डॉग (स्वान) स्क्वाड की भूमिका भी इस अभियान में अहम है। डॉग स्वान परिचालक राजू लाल और केपी विक्रम की निगरानी में केरो और कोको नामक खोजी कुत्तों की सहायता से विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। एसएसबी द्वारा उठाए गए इन कदमों का उद्देश्य भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाए रखना और संभावित आतंकी घुसपैठ को रोकना है। स्थानीय प्रशासन व सुरक्षा एजेंसियां आपसी समन्वय से स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

164 बोतल नेपाली सोफिया शराब बरामद, तस्कर फरार

बीएनएम। पताही। पताही थाना क्षेत्र में पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में 164 बोतल नेपाली सोफिया शराब बरामद हुई है। छापेमारी के दौरान शराब तस्कर मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष विनीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर सुगपिपर से मुजिया रोड पर शराब बरामद की। पुलिस को देखते ही तस्कर मौके से भागने में सफल रहा। इस अभियान में दरोगा अजय कुमार, सुनील कुमार और नेहा कुमारी सहित पुलिस बल शामिल था। बरामद शराब को जब्त कर लिया गया है तथा फरार तस्कर के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बिहार के पश्चिम चंपारण में बच्ची का गला व हाथ काट कर हत्या

बीएनएम। बेतिया। जिले के मझौलिया में बीते 20 अप्रैल से लापता बच्ची का क्षत-विक्षत शव बुधवार की सुबह बरवां सेमरा घाट पंचायत के सिसवानी सरेह (खाली स्थान) में मिला है। बच्ची की गला काट और हाथ काट बेरहमी से हत्या की गयी है। शव मिलने की सूचना पर पूरे इलाका में सनसनी फैल गयी। शव का शिनाख्त बरवां तुरहा टोली निवासी सिपाही साह की 07 वर्षीय पुत्री के रूप में हुई। बच्ची के पिता दिनेश साह ने मझौलिया थाना में गुमसुदगी का सनहा दर्ज कराया था। उल्लेखनीय है कि उक्त बच्ची बरवा सेमराघाट के सरपंच प्रमोद महतो के आवास पर हनुमान आराधना का कार्यक्रम देखने गयी थी। हनुमान आराधना का भोज भी खाया। सरपंच के पुत्र अभिषेक कुमार की शादी के निमित हनुमान आराधना का कार्यक्रम आयोजित था, जिसमे पूरा गावं निमंत्रित था। ग्रामीण बताते है कि भोज के बाद बच्ची घर आयी और फिर हनुमान आराधना देखने गयी। उसके बाद वापस नही लौटी। बुधवार की सुबह उसका क्षत विक्षत शव मिला।घटनास्थल पर मझौलिया थानाध्यक्ष विश्वमोहन चौधरी ,एसडीपीओ विवेक दीप समेत दो थाना की पुलिस पहुंची है। डॉग स्कोयाड की टीम जांच में जुटी है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये बेतिया जीएमसीएच भेजा है। एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

गर्भवती महिला समेत तीन को किया घायल

बीएनएम। जमुई/ झाझा। थानाक्षेत्र के जामुखरैया पंचायत के जामु गांव में एक गर्भवती महिला उसके पति और उसके ननद के साथ उसी के घरवालों के द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया। घायल गर्भवती महिला की पहचान विजय दास की पत्नी गौरी देवी और ननद सुनीता देवी के रूप में हुई, जो इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा पहुंची। जहां सभी घायलों का इलाज किया गया। घायल सुनीता देवी ने बताई की मेरा भाई विजय दास प्राइवेट बैंक में लखीसराय में काम करता है। जिसे मेरी भाभी गौरी देवी घर आने के लिए कही। जब मेरा भाई विजय घर आया तो मेरा बड़ा भाई उपेंद्र दास घरेलू बात को लेकर विवाद करने लगा और विजय औऱ उसकी गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट करना जब मै बचाने के लिए गई तो मेरे साथ भी मारपीट किया। घायल विजय ने बताया कि मेरा बड़ा भाई के साथ मिलकर भतीजा धर्मेंद्र, सचिन, सूरज, नीतीश ने भी मारपीट किया।

बेटे ने माता पिता के साथ की मारपीट

बीएनएम। जमुई/ झाझा। एक युवक के द्वारा अपने माता पिता के साथ मारपीट कर ईट से वार कर घायल कर देने का मामला सामने आया। मामला थानाक्षेत्र के चरघरा मुहल्ले का है। घायल दम्पति का इलाज रेफरल अस्पताल में हुआ। घायल की पहचान विनोद साव औऱ उसकी पत्नी विमली देवी के रूप में हुई। घायल विमली देवी ने बताया कि हम पति पत्नी झोपड़ीनुमा घर मे रहते है लेकिन मेरा बेटा विकास हमदोनो को घर से चले जाने के लिए कहता है। इसी बात को लेकर हमदोनो के साथ मारपीट कर ईट से वार कर घायल कर दिया।

16 वर्षीय शिवम ने जेईई परीक्षा में लहराया परचम

बीएनएम। बगहाः नगर परिषद के मड़वाड़ी टोला निवासी केदार नथानी के 16 वर्षीय पुत्र शिवम नथानी ने जे ई ई परीक्षा में एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन कर व्यावसायिक समाज का मान सम्मान बढ़ाया है। इस परीक्षा में 16 लाख छात्रों ने एग्जाम दिया था जिसमें ढाई लाख छात्रों का सिलेक्शन हुआ है। इंजीनियरिंग अभ्यर्थियों ने इस साल की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य में सफलता हासिल की है। इसके परिणाम 19 अप्रैल को घोषित हुए थे। दादा रत्न लाल नथानी ने बताया कि आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद, शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने एक प्रेरणादायक विरासत बनाई है। गौरतलब हो कि शिवम नथानी जे ई ई परीक्षा में 2747 वा स्थान प्राप्त किया। शिवम के पिता केदार नथानी ने बताया कि राजस्थान के खारा दुधवा गांव से यह लोग यहां बगहा पहुंचे यहीं पर व्यवसाय की शुरुआत की इनका तीसरा पुष्प व्यवसाय से जुड़ा हुआ है और तीन पुरुषों से बगहा में रह रहे हैं अब इन समुदाय के बच्चे पढ़ाई के तरफ और गवर्नमेंट जॉब के तरफ आकर्षित हुए हैं यही कारण है कि लगातार मारवाड़ी समाज के बच्चे अच्छे कर रहे हैं। इनके सफलता पर शिवम के बड़े पापा और प्रबुद्ध समाजसेवी संजय नाथानी ने कहा कि शिवम शुरु से ही होनहार था। कड़ी लगन एवं अपनी परिश्रम के बदौलत उन्हें मुकाम हासिल हुई है। उन्होंने शिवम की उज्जवल भविष्य की कामना की।

पासपोर्ट सेवा शिविर का आयोजन

बीएनएम। बगहाः अनुमंडल के लोगों को पासपोर्ट के लिए जिला मुख्यालय या फिर अन्य जगहों पर नहीं जाना पड़े इसके मद्देनजर अनुमंडल प्रशासन की ओर से तीन दिवसीय पासपोर्ट शिविर का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी स्वधा रिजवी व एसडीएम गौरव कुमार, एसडीपीओ कुमार देवेन्द्र, डीसीएलआर अंजेलिका कृति ने संयुक्त रूप से फिता काट कर किया। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने बताया कि तीन दिनो में कुल 165 पार्सपोर्ट बनाने का लक्ष्य है। जिसमें अभी तक 155 आवेदन का आंनलाईन हो चुका है। उन्होंने सभी आवेदकों से भी अलग-अलग जानकारी लिया। उन्होंने बताया कि लोगों के सुविधा को देखते हुए अनुमंडल में पार्सपोर्ट शिविर लगाया गया है। वही एसडीपीओ कुमार देवेन्द्र ने आवेदकों को संबोधित करते हुए कहा कि आवेदक आवेदन के समय गलत सर्टिफिकेट या जानकारी नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि आनलाइन आवेदन में जब जांच किया जायेगा अगर सर्टिफिकेट या सुचना गलत पाया गया तो आवेदक पर कार्रवाई भी होगी।

रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार का पीलर क्षतिग्रस्त

बीएनएम। जमुई/ झाझा। झाझा रेलवे स्टेशन के भवन के मुख्य द्वार पर स्थित एक पीलर का निचला भाग टूटने से सरिया बाहर दिखाई देने लगा है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लंबे समय से यह पीलर क्षतिग्रस्त अवस्था में है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।गौरतलब है कि कई बार डीआरएम सहित रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे, फिर भी इस गंभीर समस्या पर किसी का ध्यान नहीं गया। मुख्य द्वार का यह पीलर रोजाना हजारों यात्रियों की आवाजाही का मार्ग है।

जन जन की सुरक्षा के लिए बगहा पुलिस हर कदम हर मोड़ पर आपके साथ : एसपी

असामाजिक तत्वों और शराब धंधेबाजों में मचा हडकंप

बीएनएम। बगहा

बगहा में वाहन जाँच करती पुलिस

बगहा पुलिस जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बुधवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाये गए। पुलिस अधीक्षक बगहा सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि जन जन की सुरक्षा के लिए बगहा पुलिस सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि बगहा पुलिस हर कदम और हर मोड पर सुरक्षा की दृष्टि से लगातार वाहन जांच अभियान चला रहे हैं। एसपी ने बताया कि वाहन जांच अभियान चलाने से अपराध की रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु बगहा पुलिस द्वारा सभी थाना क्षेत्रों में सघन वाहन जांच की जा रही है। एसपी ने वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा और परिवहन विभाग के नियमों का पालन करने की अपील की है। कहा है कि आप सुरक्षित रहेंगे, तभी आप अपने परिवार की जीविकोपार्जन कर सकते हैं। उन्होंने असमाजिक तत्वों एवं शराब धंधेबाजों के विरुद्ध नकेल कसने की सभी थानाध्यक्षों को दिये। कहा कि जन जन की सुरक्षा के लिए बगहा पुलिस सदैव तत्पर है, ताकि आम जनता सुरक्षित रहे। एसपी ने कहा कि सघन वाहन जांच अभियान चलाने से जहां असमाजिक तत्वों पर नकेल कसी जायेगी। वही अपराध की रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था कायम रहने से आम जनता को लाभ मिलेगा। बगहा पुलिस जिला में सघन वाहन जांच अभियान चलाने से असमाजिक तत्वों, शराब धंधेबाजों में हडकंप मच गया है।

आतंकवादी हमले की निंदा

बीएनएम। जमुई/झाझा

झाझा पब्लिक स्कूल में हाल ही में फलेगांव में हुए आतंकवादी हमले को लेकर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर झाझा पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉ. सुरेंद्र निराला ने बताया कि आतंक फैलाने वाला ही नहीं, उसका समर्थन करने वाला भी उतना ही दोषी है। आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ लड़ाई नहीं, सोच की भी ज़रूरत है। चुप्पी भी एक प्रकार का समर्थन हो सकती है — जागो, बोलो, विरोध करो ।निदेशकः झाझा पब्लिक स्कूल तथा सभी शिक्षकगणों ने हमले की कड़ी निंदा की और बच्चों के बीच आतंकवाद के विषय पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को बताया गया कि आतंकवाद मानवता के लिए कितना बड़ा खतरा है और इससे समाज को किस प्रकार की हानि पहुँचती है। बच्चों ने भी अपने विचार साझा किए और शांति व सद्भाव की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में हमले में जान गंवाने वाले आम नागरिकों को श्रद्धांजलि देने हेतु दो मिनट का मौन रखा गया।

शिक्षा घोटाले में निष्पक्ष जांच की मांग, 17 सदस्यीय विपक्षी कमेटी गठित

बीएनएम। लखीसराय

जिले में शिक्षा विभाग घोटाले को लेकर विपक्षी दलों ने जिला प्रशासन पर लीपापोती का आरोप लगाया है। बुधवार को चितरंजन रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में हुई संयुक्त विपक्षी दलों की बैठक में कहा गया कि डीपीओ दीप्ति कुमारी को प्रभार देना दूध की रखवाली बिल्ली को सौंपने जैसा है, क्योंकि उन्हीं के कार्यकाल में समग्र शिक्षा योजना में गड़बड़ी हुई थी। बैठक में निर्णय लिया गया कि 29 अप्रैल को महागठबंधन का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मुलाकात कर 21 अप्रैल को दिए गए मांग पत्र पर कार्रवाई की स्थिति की जानकारी लेगा। नेताओं ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली-पानी सहित कई विभागों में व्यापक घोटाले हुए हैं और जिला प्रशासन आरोपियों को बचा रहा है।बैठक में भाकपा माले नेता चन्द्र देव यादव की अध्यक्षता में 17 सदस्यीय संयुक्त विपक्षी कमेटी का गठन किया गया, जो पूरे मामले की निगरानी करेगी। विपक्ष ने प्रशासन पर सत्ता पक्ष और स्थानीय विधायक के दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच के लिए राज्य स्तरीय सक्षम प्राधिकार से जांच कराने की मांग की है।

जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर कल पहुंचेंगे सिकंदरा

बीएनएम। सिकंदरा

जन उद्घोष यात्रा के तहत जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर 25 अप्रैल को सिकंदरा पहुंचेंगे। इस दौरान वे श्री कृष्ण महाविद्यालय, लोहंडा के मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव का बिगुल फूकेंगे। प्रशांत किशोर की जनसभा को लेकर सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र के सिकंदरा, अलीगंज एवं खैरा प्रखंड से काफी संख्या में लोगों के आने संभावना है। जनसुराज के कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव जाकर लोगों को जनसभा में शामिल होने का निमंत्रण दिया जा रहा है। जनसुराज के जिला अभियान संयोजक उत्तम सिंह के नेतृत्व में श्री कृष्ण कॉलेज मैदान में कल दिन शुक्रवार को कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गर्मी को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। कार्यक्रम में लोगों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी को लेकर जनसुराज के कार्यकर्ताओं द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। बताते चलें कि 11 अप्रैल को पटना के गांधी मैदान में आयोजित बिहार बदलाव रैली के दौरान प्रशांत किशोर ने बिहार में जन उद्घोष यात्रा शुरू करने का एलान किया था। प्रशांत किशोर बिहार में अपनी जनसुराज जन उद्घोष यात्रा के जरिए सामाजिक और राजनीतिक बदलाव की मुहिम चला रहे हैं। उनका उद्देश्य जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और समाधान का रास्ता तैयार करना है। जन उद्घोष यात्रा का शुभारंभ जमुई जिले में सिकंदरा विधानसभा से होने जा रहा है। जिसमें प्रशांत किशोर आगामी विधानसभा चुनाव का शंखनाद करेंगें। सिकंदरा की जनसभा को भी इसी दिशा में एक अहम कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

सवारी बैठाने को लेकर मारपीट

बीएनएम। जमुई/ झाझा

सोहजाना मोड़ पर नम्बर से वाहन में सवारी बैठाने के विवाद में एक चालक ने दूसरे चालक मारपीट कर घायल कर दिया। घायल चालक की पहचान सोहजाना के रहने वाले बसंत यादव के रूप में हुई। जिसका इलाज रेफरल अस्पताल में हुआ। घायल चालक ने बताया कि मोड़ के पास नम्बर से सभी वाहन चालक सवारी बैठा रहा था जिसमे एक वाहन चालक मेरे सवारी को जबरन बिना नम्बर के ही बैठाने लगा जिसको रोका तो उसने मेरे साथ मारपीट कर ईट से सिर पर वार कर घायल कर दिया। घायल चालक के द्वारा थाना में पहुंचकर पुलिस को घटना को लेकर पूरी जानकारी दी जिसके बाद पुलिस छानबीन की प्रक्रिया में जुट गई है।

शराब तस्करी के खिलाफ मलाही पुलिस का अभियान, एक गिरफ्तार, मोटरसाइकिल जब्त

बीएनएम। मलाही

मलाही थानाध्यक्ष कर्ण सिंह के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चटिया दियर गांव के रहने वाले कमलुदीन मियां (50 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से भारी मात्रा में देशी और अंग्रेजी शराब बरामद की है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने महाजन यादव के घर पर छापेमारी की, जहां कमलुदीन मियां ठहरा हुआ था। तलाशी के दौरान कमरे के अंदर कपड़े से ढके एक प्लास्टिक बोरे से 02 पीस (400ml) बंटी बबली देशी लाईम शराब और 12 बोतल (09 लीटर) रॉयल स्टैग अंग्रेजी शराब बरामद हुई। रॉयल स्टैग शराब का बैच नंबर 0043 और निर्माण तिथि 27.03.25 है। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने महाजन यादव के नाम पर दर्ज स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (रजि. न. BR05-AT-2726) की डिक्की से 45 पीस (8 लीटर 100ml) 8PM टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब बरामद की। इस शराब का बैच नंबर 2605 और निर्माण तिथि 27.02.25 है। कुल मिलाकर पुलिस ने 400ml देशी शराब और 17 लीटर 100ml अंग्रेजी शराब बरामद की है। साथ ही, शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस ने कमलुदीन मियां को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पंचायती राज के सशक्तिकरण को लेकर राजद का राज्यस्तरीय सम्मेलन आज

तेजस्वी यादव होंगे मुख्य अतिथि

बीएनएम। पटना

पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जनता दल के पंचायती राज प्रकोष्ठ की ओर से गुरुवार को पटना में राज्यस्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।पार्टी के पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य पंचायती राज प्रतिनिधियों को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाना और स्थानीय स्वशासन को मजबूती देना है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की डबल इंजन सरकार लगातार पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों में कटौती कर रही है और पंचायती राज संस्थाओं को कमजोर कर रही है।विद्यार्थी ने कहा कि राजद हमेशा से पंचायत स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने के पक्ष में रही है और यह सम्मेलन उसी संघर्ष का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में राज्य भर से हजारों की संख्या में पंचायत प्रतिनिधि, जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वे स्वयं करेंगे और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मंच साझा करेंगे।राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं बल्कि जनसशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में पंचायती राज से जुड़े अधिकार, चुनौतियों और समाधान पर चर्चा होगी तथा आगे की रणनीति तय की जाएगी।

डीएवी पब्लिक स्कूल में मनाया गया रेड डे, बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

बीएनएम। लखीसराय

विद्यापीठ चौक स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में बुधवार को 'रेड डे' का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस मौके पर बच्चों ने रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को लाल रंग के महत्व और उसके सकारात्मक प्रभावों से अवगत कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत नर्सरी व एलकेजी के बच्चों निमिषा, प्रांजल, शहजान, उत्कर्ष और शिवांश ने 'आह! टमाटर बड़े मजेदार' गीत पर नृत्य से की। कक्षा दूसरी की छात्रा समृद्धि कुमारी ने बताया कि लाल रंग क्यों उसका पसंदीदा है। इसके बाद यूकेजी व प्रथम कक्षा के बच्चों अनोखी, शांवी, श्रेयांश, अंशिका, वमिका और विराज ने 'जूबी डूबी' गीत पर मोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा दूसरी के अवंतिका, शांवी, राजलक्ष्मी, आरोही, मानस, अमरजीत, अंश और प्रतीक ने 'फैशन का है जलवा' थीम पर आकर्षक रैंप वॉक किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. निरंजन कुमार ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए लाल रंग के महत्व को समझाया और विद्यार्थियों को रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को मिली जिम्मेदारी

बीएनएम। बगहा

मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा की सफलता हेतु भाजपा कार्यकर्ताओं को मधुबनी एवं आसपास के जिलों के अलग अलग क्षेत्रों में जिम्मेवारियां मिली है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में भाग ले सके। जनसभा के निमित्त बिहार भाजपा के तरफ से लगातार बैठकों का दौर शुरू है। और बगहा विधायक राम सिंह को भी दरभंगा नगर विधानसभा अंतर्गत दरभंगा शहर की जिम्मेवारी मिली है। बगहा विधायक राम सिंह तीन दिनों के प्रवास पर है और लगातार कार्यकर्तओं के साथ बैठकें कर रहे हैं । उन्होंने 22 अप्रैल को दरभंगा शहर के दक्षिणी मंडल में शक्ति केन्द्र संख्या-12, बूथ संख्या 61 पर कार्यकर्ता बंधुओं के साथ बैठक में शामिल हुए। शक्ति केन्द्र-3 पर बेलाशंकर में, लहेरियासराय में साथ हीं उन्होंने दरभंगा शहर के बेलाशंकर बाजार में व्यवसायी बंधुओं एवं आम जनता को आमंत्रण पत्र देकर जनसभा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किये एवं 23 को दरभंगा शहर के मिर्जापुर एवं वार्ड नं-18 एवं राम चौक शक्ति केन्द्र-13 , दोनार, सुंदरपुर एवं रुहेलागंज में जनसभा के तैयारियों के निमित बैठक किये एवं शहर के रामपुर बाजार में व्यवसायी वर्ग एवं आमजन को आमंत्रण पत्र देकर जनसभा में भाग लेने केलिए आमंत्रित किया। बगहा विधायक राम सिंह ने कहा कि लोगों में जनप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसभा में जाने एवं उनको सुनने की अलग हीं उत्सुकता है।

देश की अखंडता पर प्रहार

वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दरम्यान सरकार ने आश्वासन दिया कि सेंटर वक्फ काउंसिल और वक्फ बोर्ड में किसी गैर-मुस्लिम की नियुक्ति नहीं की जाएगी। मौजूदा वक्फ संपत्तियों पर किसी तरह की कार्रवाई न करने तथा वक्फ संशोधन कानून, 2025 के कुछ प्रावधानों पर फिलहाल अमल न करने की बात भी की। अदालत ने सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का वक्त दिया है। अगले आदेश तक वक्फ, जिसमें वक्फ बाय यूजर भी शामिल है, में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। न ही संबंधित कलेक्टर इनमें कोई बदलाव करेगा। 1995 के अधिनियम के तहत जिन वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण हुआ है, उनको अगली सुनवाई तक गैर-अनूसूचित न करने का स्पष्ट निर्देश भी दिया गया है। अदालत में वक्फ कानून की वैधता को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि जैन, सिख व अन्य अल्पसंख्यकों के धर्म पर ऐसे कानून लागू नहीं होते। जैसा कि नये कानून के अनुसार वही शख्स अपनी संपत्ति दान कर सकता है, जो कम से कम पांच साल से मुसलमान हो यानी इस्लाम अपना चुका हो। दान की जाने वाली संपत्ति का मालिकाना हक भी रखता हो। शीर्ष अदालत ने सरकार से तल्ख सवाल किया कि क्या वह हिन्दुओं के धार्मिक ट्रस्टों में मुसलमान या गैर- हिन्दुओं को शामिल करने जा रही है? इस कानून के पारित होने के बाद हुई हिंसा की भी निंदा की। हरियाणा, महाराष्ट्र, मप्र, असम, छत्तीसगढ़ व राजस्थान जैसे भाजपा शासित राज्यों में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अनुसार वक्फ के पास देश भर में 8.7 लाख संपत्तियां हैं जिनकी अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। कोई भी चल/अचल संपत्ति वक्फ होती है, जिसे अल्लाह के नाम पर मुसलमान धार्मिक या परोपकार के मकसद से दान करता है। अल्लाह ही हमेशा उसका मालिक होता है। इस तरह का चलन मंदिरों से लेकर अन्य धर्मो में भी है। मंदिरों के पास बगैर कागजात वाली संपत्ति कम नहीं हैं। इसलिए सरकार को कानून बनाते हुए सभी धार्मिक स्थलों के अधिकार क्षेत्र वाली चल/अचल संपत्ति पर यह कानून लागू करना चाहिए था। पूर्वाग्रहों से भरे पक्षपात करने वाली मोदी सरकार को इससे बचना चाहिए था।

सशक्त पंचायतों से ही बनेगा विकसित राष्ट्र

राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस (24 अप्रैल) पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत गांवों का देश है। यहां की बहुसंख्यक आबादी आज भी गांवों में रहती है। भारत के गांव ही देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी हैं। इसीलिए कहा जाता है कि जब तक देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी तब तक भारत विकसित राष्ट्र नहीं बन पाएगा। गांव में सुशासन स्थापित करने के लिए ही ग्राम पंचायत की स्थापनाकी गई थी। हमारे देश के नेताओं को ग्रामीण पृष्ठभूमि का पूरा ज्ञान था इसलिए उन्होंने गांव के महत्व को समझकर ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की थी। उनको पता था कि जब तक गांव मजबूत नहीं होंगे तब तक देश मजबूत नहीं होगा। गांव को मजबूत करने के लिए यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सबसे महत्वपूर्ण कार्य था। आजादी के समय भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए थे। देश के अधिकांश गांवों में मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं था मगर आज गांवों की व्यवस्था भी बहुत कुछ बदल गई है। आज देश के बहुत से गांव में शहरों की भांति सुविधा देखने को मिल रही है लेकिन आज भी देश में हजारों ऐसे गांव हैं जहां पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। जब तक सरकार देश के सभी गांव में समान रूप से सुविधा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी तब तक देश विकास की दौड़ में पूरी गति से शामिल नहीं हो पाएगा। हम आज पंचायत राज दिवस मना रहे हैं। हमारे देश में 2 अक्टूबर 1959 को पहली बार पंचायत राज व्यवस्था लागू की गई थी। 1993 में त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था। राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस भारत में बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह एक संवैधानिक इकाई के रूप में पंचायत राज प्रणाली की स्थापना का प्रतीक है। पंचायत राज प्रणाली भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सत्ता और संसाधनों का विकेंद्रीकरण करना और सहभागी लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पंचायत राज प्रणाली जमीनी स्तर पर लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने और उनके विकास का स्वामित्व लेने में सक्षम बनाती है, जो स्व-शासन और जवाबदेही को बढ़ावा देने में मदद करती है। भारत गांवों का देश माना जाता है और गांव के विकास में पंचायतों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चूंकि ग्राम पंचायतों के पंच व सरपंच सीधे ग्रामीणों द्वारा चुने जाते हैं। इसलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपने ग्राम पंचायत क्षेत्र के लोगों से सीधा संपर्क रहता है। ग्रामवासी भी अपनी समस्याएं सीधे पंचायत तक पहुंचा सकते हैं। मगर ग्राम पंचायतों की स्थापना के इतने वर्षों के बाद भी अभी तक ग्राम पंचायतें वास्तविक रूप में सशक्त नहीं हो पाई हैं। ग्राम पंचायतें पूरी तरह राज्य सरकारों पर निर्भर हैं। कहने को तो ग्राम पंचायतों को बहुत सारे अधिकार प्रदान किए गए हैं मगर आज तक भी ग्राम पंचायतें अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं कर पाती हैं।

आज भी देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी प्रभावी रहते हैं। ग्राम पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच निर्वाचित होकर आती हैं। उनमें से कई महिलाएं वास्तव में बहुत अधिक पढ़ी-लिखी होने के कारण पूरी जानकारी रखती हैं। इस कारण वह अपने अधिकारों का पूरा प्रयोग कर लेती हैं। मगर अधिकांशतः सुरक्षित क्षेत्र होने के कारण गांवों के प्रभावी नेता अपने परिवार की किसी महिला को पंच या सरपंच बनवा देते हैं, फिर उनके स्थान पर खुद नेतागिरी करते हैं। वहां की निर्वाचित महिलाएं मात्र कागजी जनप्रतिनिधि बन कर रह जाती हैं। बहुत से स्थानों पर तो महिला सरपंचों के हस्ताक्षर भी उनके स्थान पर काम करने वाले उनके परिजनों द्वारा ही कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में पंचायती राज व्यवस्था के मजबूत होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सरकार बार-बार परिपत्र जारी कर सरपंच के प्रतिनिधियों को पंचायतों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से मना करती है मगर धरातल पर सरकार के परिपत्र मात्र कागजी बन कर रह जाते हैं। देश में आज चाहे ग्राम पंचायत हो, पंचायत समिति हो या जिला परिषद् हो। जहां भी महिला जनप्रतिनिधि निर्वाचित होकर आती हैं। उनके स्थान पर उनके परिजन ही कार्य करते देखे जा सकते हैं। सभी प्रदेशों की राज्य सरकारों को कड़ाई से इस पर रोक लगानी चाहिए ताकि महिलाओं को भी अपने पद पर काम करने का मौका मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखने में आता है कि निर्वाचित पंच, सरपंच पंचायतों की बैठक में घूंघट निकाल कर बैठती हैं क्योंकि वहां उनकी ससुराल के बड़े परिजन भी बैठे होते हैं। आज देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर रहा है। महिलाएं हर क्षेत्र में अपने काम से धूम मचा रही हैं। अब तो सेना को भी महिलाओं के लिए पूरी तरह खोल दिया

गया है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का घूंघट निकाल कर बैठना सभ्य समाज के लिए किसी दुखद घटना से कम नहीं है। सरकार को ऐसी घटनाओं पर भी सख्ती बरतनी चाहिये। पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं का जीवन बहुत प्रभावित हुआ है। सही मायने में पंचायती राज ने महिलाओं को समाज का एक विशेष सदस्य बना दिया है। लाखों महिलाऐं सार्वजनिक जीवन में आयी हैं लेकिन अधिकतर निर्वाचित महिलाओं को निर्वाचक सदस्य होने के विषय में पूर्ण जानकारी भी नहीं है। अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी के कारण वह प्रभावी नहीं हो पाती हैं। उन्हें यह भी ज्ञान नहीं होता है कि वह एक कुशल प्रशासक भी हो सकती हैं। घूंघट में रहना लोकतंत्र और औरत जाति के लिए चुनौती है। समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है लेकिन औरतों के प्रति लोगों की सोच अभी तक नहीं बदली है। राजनीति घूंघट में रह कर नहीं हो सकती। इसके लिए बेबाक होना पड़ता है। औरतों को अपने से कमतर मानने की सोच के चलते ही उनके चेहरे से परदा नहीं हट पा रहा है। लोकतंत्र की सबसे छोटी संसद पंचायती राज में हालांकि महिलाएं 50 फीसदी सीटों पर काबिज हैं लेकिन इन महिला जनप्रतिनिधियों में से कई पढ़ी-लिखी होने के बाद भी ग्राम पंचायत की बैठकों में घूंघट में बैठी रहकर जुबान ही नहीं खोलती हैं। क्या ऐसी स्थिति के लिए ही पंचायत राज को मजबूती देने का निर्णय किया गया था। क्या इक्कीसवीं सदी में प्रवेश करने के बाद भी हमारे देश की महिला जनप्रतिनिधियों को घूंघट की ओट में ही जीने को विवश होना पड़ेगा। यह एक बड़ा सवाल है जिसे ना सिर्फ प्रशासनिक अधिकारियो को गंभीरता से लेना पड़ेगा बल्कि राजनेताओं व प्रशासनिक अधिकारियों को भी सरपंच पतियों के बढ़ते हस्तक्षेप पर प्रभावी अंकुश लगाना होगा। औरतों के सिर से घूंघट हटाने के लिए लड़कियों के माता-पिता को आगे आना होगा। उन्हें अपनी बेटियों की शादी उसी परिवार में करनी चाहिए जहां घूंघट का बंधन नहीं हो। घूंघट में रह कर औरतें अपनी जिंदगी के ताने-बाने को कैसे बुन सकती हैं? घूंघट में रह कर राजनीति या समाजसेवा नहीं की जा सकती। आज के समय में ग्राम पंचायतें पैसे कमाने का जरिया बन गई हैं।

सूडोकु नवताल- 7410

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7409 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

जम्मू-कश्मीर : हिन्दुओं की पहचान कर मार दी गईं गोलियां, कौन-सा भारत बना रहे हम

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने अंदर तक झकझोर दिया है। कहने को कहा जा रहा है कि विदेशी साजिश थी, पाकिस्तान का हाथ था लेकिन यह हाथ घर के अंदर आया कैसे? घर के भी कोई अपने थे, जो इस पूरे आतंकवादी घटनाक्रम में शामिल हैं। "इंटेलिजेंस" इनपुट कह रहा है कि छह आतंकियों में से तीन भारत के नागरिक थे, जिन्होंने विदेशी इस्लामिक आतंकवादियों के साथ मिलकर हिन्दुओं का खून बहाया है। घटना के बाद से मीडिया में कई रिपोर्ट आई हैं, जिनमें से अनेकों में इस बात को दोहराया गया है कि पुलवामा हमला पार्ट-1 था जो 14 फरवरी 2019 को हुआ था, जिसमें 40 भारतीय सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी। अब पहलगाम हमला पार्ट-2 है जिसे 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों की जान लेकर अंजाम दिया गया है और कई घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के फ्रंट ग्रुप द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो पाकिस्तान का आतंकी संगठन है। टीआरएफ जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है और भारत इसे पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। यह गुट 2019 में तब सामने आया था, जब जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया था। टीआरएफ ने अब तक सुरक्षाकर्मियों और आम लोगों पर कई हमले किए हैं, जिनमें 2020 में भाजपा नेता और उनके परिवार की हत्या के साथ 2023 में पुलवामा में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या भी शामिल है। साल 2019 के पुलवामा हमले में भी टीआरएफ का नाम आया था। आज न जानें कितने टीआरएफ जैसे आतंकी संगठन भारत में पल रहे हैं। देखने में यही आता है कि इनके निशाने पर गैर मुसलमान खासकर हिन्दू रहते हैं। आखिर हिन्दुओं को ही क्यों टारगेट किया जाता है? जो लोग आज इसे हमला पार्ट-2 कह रहे हैं, उन्हें भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई एक, दो, तीन, चार, पांच या अन्य जिसे गिनतियों में समाहित किया जा सके वह जिहादी या गैर मुसलमानों के प्रति चलनेवाला अभियान (पार्ट) नहीं है। भारत में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर अब तक अनेकों आक्रमण हो चुके हैं। इतिहास में मुहम्मद बिन कासिम के बाद 10वीं शताब्दी से तुर्क आक्रमण शुरू हुए, जिनमें महमूद गज़नवी, मुहम्मद गोरी, बाबर, तैमूर लंग, अलाउद्दीन खिलजी जैसे अंध जिहादियों के आक्रमण प्रमुख हैं। भारत पर पहली बार मुस्लिम आक्रमण 712 ईसवी में हुआ था, तब से लेकर अब तक 1337 साल गुजर चुके हैं, इतने दिनों में सांस्कृतिक भारत कई हिस्सों में बंट चुका है। भारतीय उपमहाद्वीप के अनेक देश इसके प्रमाण हैं, पीढ़ियों के स्तर पर भारत आज अपनी 45 पीढ़ियां औसतन पार कर चुका है, उसके बाद भी शेष भारत और यहां का ज्यादातर बहुसंख्यक समाज (हिन्दू) है, वह समझना ही नहीं चाहता कि आखिर ये इस्लामिक जिहादी घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। क्यों मजहब के नाम पर अलग देश लेने के बाद भी ये रुकने का नाम नहीं लेतीं। इसी संदर्भ में यह ऐतिहासिक प्रसंग है, जिसके मर्म को सभी को समझना चाहिए; जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे मौलाना मुहम्मद अली ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि, "अपने मजहब और अकीदे के मुताबिक मैं एक गिरे से गिरे और बदकार मुसलमान को भी महात्मा गाँधी से बेहतर समझता हूँ।" यह चर्चित घटना सन् 1924 की है, जिस का विवरण डॉ. आंबेडकर ने अपनी पुस्तक पाकिस्तान और पार्टीशन ऑफ इंडिया (1940) में दिया है। पूछने पर मौलाना ने अपनी बात को बार-बार दुहरा कर कहा, ताकि गलतफहमी न रहे। समझने के लिए यहां इतना जान लें कि मौलाना मुहम्मद अली बड़े प्रतिष्ठित आलिम थे और गाँधीजी के अन्यतम सहयोगी भी रहे थे। इससे भी मौलाना की संजीदगी समझी जा सकती है। मौलाना ने अपने रिलीजन का केंद्रीय तत्व बड़ी सुंदरता से रखा था। जहाँ आचरण नहीं, विश्वास मुख्य है। इसी से अभी भारत, इजराइल, सीरिया, ईराक, युरोप के देशों में तबाही कर रहे लश्कर-ए-तैयबा, पासबान-इ-अहले हदीस, जैश-ए-मोहम्मद, तहरीक-ए-फुरकान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, हरकत उल-अंसार, हिज़बुल मुजाहिद्दीन, अल-उमर मुजाहिदीन, जम्मू एंड कश्मीर इस्लामिक फ्रंट, अल-बद्र, जमात-उल-मुजाहिदीन, अल-क़ायदा, दुख़्तरान-ए-मिल्लत, इण्डियन मुजाहिदीन, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट, जमात-उल-मुजाहिदीन, इस्लामी स्टेट (आई. एस.आई.एस.), बोको हरम, तालिबान या लश्करे-तोयबा आदि संगठनों के कामों का भी सही वर्गीकरण कर लेना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा हो और किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आज आपको सोच-समझकर लेने चाहिए। घरवालों के साथ कहीं मंदिर दर्शन करने जाएंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपको काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम बच सकता है। जो लोग आपको अभी तक ताना दे रहे थे आज उनको कुछ कर दिखाने का दिन है, आप जिस भी काम को करेंगे उसमें आपको सफलता के योग बन रहे हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला होगा। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से रिलेटेड शुभ समाचार मिलेगा। आज आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। व्यापार में आज आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक-दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा। आज किसी को दिए पैसे आपको मिल जाएंगे इससे आपको आर्थिक सपोर्ट मिलेगा साथ ही आप कुछ नया खरीदने का विचार करेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, जिससे आपको ऑफिस में देर तक रुकना पड़ेगा। इस राशि के छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है, जल्द ही सफलता मिलने के योग बने हुए हैं। इस राशि के अकाउंटेंट के लिए आज का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आज आपके पारिवारिक रिश्तें में मधुरता बढ़ेगी। सभी लोग हंसी-खुशी रहेंगे। फैमिली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च और खरीदारी करते समय संतुलन बनाकर चलना होगा, बचत की ओर खासतौर पर ध्यान देना होगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। परिवार वाले आज आपको अच्छी राय देंगे। आज आप ऑफिस में किसी काम को आसानी से पूरा करेंगे, जिससे आपके जूनियर और सीनियर सभी तारीफ करेंगे, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा साथ ही आपकी रेस्पेक्ट में भी इजाफा होगा। आज आपके व्यापार में उम्मीद से अधिक धन लाभ होगा।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किये गये काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। लंबे समय से रुके हुए सरकारी कामों का आज निपटारा हो जाएगा।

वृश्चिक राशिःआज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज मित्र आपसे मिलने आपके घर आ सकता है, जिसे सामने देखकर आपको यकीन नहीं होगा, मित्र से कुछ निजी समस्याओं पर बात करके आपको रिलैक्स फील होगा। बच्चे आपको शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा। आने वाले समय में आपकी महत्वाकांक्षाएं बढ़ेगी, जिसे पूरा करने के लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिताएंगे। आज आपके लिए फैसला करना थोड़ा मुश्किल होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं जाने का प्लान कैंसिल करना पड़ सकता है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आप किसी रिश्तेदार से मिलने, उनके घर जाएंगे। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्र तैयारी जारी रखेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे। आज आप अपने कार्यों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आप आगे आने वाली किसी समस्या से बच जाएंगे।

अश्वत्थामा शापित नहीं, बल्कि सप्तर्षि हैं...!

मनीष कुलकर्णी

बीते वर्ष 'कल्कि-2898 ए.डी.' नामक फिल्म प्रदर्शित हुई। इस काल्पनिक कथा में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा का पात्र निभाया है। साथ ही शाहिद कपूर की 'अश्वत्थामा' फिल्म भी निर्माणाधीन है। इन फिल्मों के माध्यम से महाभारत में खलनायक के रूप में चित्रित अश्वत्थामा एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। भारत में जब से न्यूज चैनल शुरू हुए हैं, लगभग हर हिंदी चैनल ने मध्यप्रदेश की नर्मदा नदी के किनारे या असीरगढ़ किले के मंदिर में पूजा करने वाले अश्वत्थामा पर स्टोरी दिखाई है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि महाभारत के 5000 वर्ष बाद भी यदि श्रीकृष्ण, कौरव और पांडवों के अलावा कोई सबसे चर्चित पात्र है तो वह अश्वत्थामा है। मौजूदा समय में अधिकतर लोगों को अश्वत्थामा की पहली पहचान अपने घर के बड़ों द्वारा बोले जाने वाले सप्त चिरंजीवियों के श्लोक से हुई होगी।

घर के धार्मिक वातावरण वाले दादा-दादी या नाना-नानी अपने नाती-पोतों से यह श्लोक ज़रूर बुलवाते थेः-

"अश्वत्थामा बलिर्व्यासो हनुमांश्च विभीषणः। कृपः परशुरामश्च सप्तैते चिरंजीविनः॥
सप्तैतान् संस्मरेन्नित्यं मार्कण्डेयमथाष्टमम्।
जीवेद्वर्षशतं सोऽपि सर्वव्याधिविवर्जितः॥"

इस श्लोक के भावानुसार, जो व्यक्ति प्रतिदिन इन सात चिरंजीवियों और आठवें ऋषि मार्कण्डेय का स्मरण करता है, वह दीर्घायु और रोगमुक्त रहता है। अब प्रश्न उठता है- जो स्वयं घायल है, वह दूसरों को निरोग कैसे बना सकता है? यह विचार अपने आप यह सिद्ध करता है कि अश्वत्थामा के माथे पर नासूर बनी चोट केवल एक कल्पना है। क्योंकि यदि वह सचमुच घायल होता, तो श्लोक लिखने वाला उसे चिरंजीवियों की सूची में न रखता। यह पहला तार्किक विचार है। वही गोवर्धन के क्रियायोग गुरु शैलेन्द्र शर्मा अपने गहन अध्ययन के आधार पर अश्वत्थामा की एक अलग ही कहानी बताते हैं। शास्त्रों और धर्मग्रंथों का अध्ययन करने के बाद गुरुजी ने निष्कर्ष निकाला कि अश्वत्थामा केवल सप्त चिरंजीवी नहीं, बल्कि शापमुक्त भी हैं। इतना ही नहीं, उनका

नाम आधुनिक सप्तर्षियों में भी लिया गया है और वे भविष्य के व्यास भी हैं।\ महाभारत में अश्वत्थामा का चरित्र प्रतिशोध और प्रायश्चित की गाथा है। महाभारत के शल्य पर्व के अनुसार, द्रोणाचार्य और कृपी ने पुत्र प्राप्ति के लिए हिमालय की तलहटी (आज के उत्तराखंड) में भगवान शिव की तपस्या की थी। द्रोणाचार्य ने शिव जैसे तेजस्वी और बलशाली पुत्र की इच्छा की थी। परिणामस्वरूप दिव्य मणि के साथ अश्वत्थामा का जन्म हुआ। जन्म लेते ही घोड़े जैसी आवाज में रोने के कारण उसका नाम 'अश्वत्थामा' रखा गया। शिव पुराण में अश्वत्थामा को भगवान शिव का अवतार माना गया है। अश्वत्थामा का चरित्र करुण, रौद्र और बीभत्स रस से भरपूर है। बचपन में जब उनकी माँ कृपी ने उसे दूध की मांग पर आटे में पानी डालकर पिलाया, तब पहली बार उसकी करुण छवि दिखाई दी। महाभारत युद्ध में वह एक अपराजित योद्धा बनकर सामने आया, यह उसका रौद्र रूप था। युद्ध के अंतिम चरण में जब उसने द्रौपदी के 5 पुत्रों की हत्या की और उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्मास्त्र चलाया, तब वह बीभत्स व अमानवीय प्रतीत हुआ, लेकिन यदि हम इसकी गहराई से पड़ताल करें तो यह सब उसके पिता द्रोणाचार्य की कपट से हुई हत्या का प्रतिशोध था। महाभारत युद्ध के दौरान पांडवों ने झूठी अफवाह फैलाई कि अश्वत्थामा मारा गया। यह सुनकर गुरु द्रोणाचार्य ने शस्त्र त्याग दिए और दृष्टद्युम्न ने उनकी हत्या कर दी। वहीं भीम द्वारा दुर्योधन को घायल करने के बाद अश्वत्थामा कौरव पक्ष का सेनापति बना। महाभारत के सौप्तिक पर्व के अनुसार, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और कृतवर्मा रात को एक पेड़ के नीचे विश्राम कर रहे थे। वहीं एक उल्लू को उन्होंने देखा जो कौवों के बच्चों को मारकर खा गया। इससे उन्हें रात्रि में सोए हुए पांडवों के शिविर पर हमला करने का विचार आया। जब अश्वत्थामा पांडव शिविर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि स्वयं भगवान शंकर शिविर के रक्षक हैं। शिव के रूप का वर्णन महाकाल रूप में किया गया है। यहां वर्णित शिव जी व्याघ्रचर्मधारी, अनेक नेत्र और भुजाओं वाले, जिनके तेज से अनेक विष्णु प्रकट हो रहे हैं। यह दृश्य देखकर भी अश्वत्थामा रुका नहीं और शिव से युद्ध का निश्चय किया, लेकिन उसके सभी अस्त्र-शस्त्र शिव के शरीर में समा गए। इस पराजय से व्यथित होकर उसने आत्मदाह करने का निर्णय लिया। जैसे ही उसने अग्नि उत्पन्न कर उसमें कूदने की कोशिश की, स्वयं भगवान शिव प्रकट हुए। शिव ने उसमें प्रवेश किया और बोले, "अब समय आ गया है, पांडवों की रक्षा का कार्य पूरा हुआ।" शिव का किसी शरीर में प्रवेश करने का यह इकलौता उल्लेखित उदाहरण है। इसके बाद अश्वत्थामा ने शिव से प्राप्त खड्ग लेकर तथा भगवान शिव के आवेश से आवेशित हो कर पांडव शिविर में प्रवेश किया और जिसको देखा उसे मार डाला। दृष्टद्युम्न की हत्या उसने मुक्के मारकर की और द्रौपदी के पांच पुत्रों को पांडव समझकर मार डाला। इस भीषण नरसंहार का वर्णन सौप्तिक पर्व में भयावह और सारगर्भित रूप से किया गया है। पांडव और श्रीकृष्ण उस रात शिविर में नहीं थे, वे पहले ही गंगा तट पर विश्राम के लिए चले गए थे। अगली सुबह जब वे लौटे, तो ब्रह्मास्त्र चलाने और उत्तरा के गर्भ पर हमला करने की घटना हुई।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हराया

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 40वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों की मदद से लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया है। लखनऊ ने एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए, जबकि पोरेल ने 36 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान अक्षर पटेल ने 20 गेंदों पर 34 रन की दमदार पारी खेली। जबकि कुरुण नायर सिर्फ 15 रन का योगदान दे सके। लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए दोनों सफलताएं एडन मार्करम को मिले। इससे पहले, लखनऊ ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। लखनऊ के लिए एडन मारक्रम ने 52 रन और मिचेश मार्श ने 45 रन की पारी खेली। इनके अलावा, आयुष बडोनी ने 36 और डेविड मिलर ने 14 रन बनाए। शेष कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। जबकि कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर बल्ले से विफल रहे और बिना कोई खाता खोले पवेलियन लौटे। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मुकेश कुमार ने सबसे अधिक 4 विकेट अपने नाम किए। जबकि दुष्मथ चमीरा और मिशेल स्टार्क को एक-एक सफलता मिली।

केकेआर को अब प्लेऑफ में पहुंचने जीतने होंगे कम से कम पांच मैच

मुम्बई। गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन इस बार आईपीएल सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना भी काफी कम हो गयी है। उसे अब तक 8 मैचों में से 3 में ही जीत मिली है जबकि वह पांच मैच हारी है। अंक तालिका में टीम सातवें स्थान पर है। प्ले ऑफ की दौड़ में वह अभी बनी हुई है पर उसे अपने बल पर आगे जाने बचे हुए छह में से पांच मैच मैच जीतने होंगे। अभी केकेआर के 8 मैच के बाद 6 अंक हैं और वह सातवें नंबर पर है। उससे पीछे सिर्फ तीन टीमें राजस्थान, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स हैं और उन तीनों के 4-4 अंक है। वहीं 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस की टीम नंबर एक पर है जबकि 10 अंकों के साथ दिल्ली कैपिटल्स दूसरे नंबर पर है। आरसीबी, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के भी 10-10 अंक हैं पर नेट रन रेट के आधार पर ये टीमें क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। मुंबई इंडियंस 8 अंकों के साथ छठे पायदान पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स को अभी 6 मैच खेलने हैं। उनका अगला मुकाबला 26 अप्रैल को पंजाब किंग्स से हैं। उसके बाद उन्हें दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के साथ खेलना है। अगर केकेआर सभी 6 मैच जीत लेती है तो उसे 12 अंक और मिलेंगे। इस तरह 18 अंकों के साथ वह प्लेऑफ में पहुंच सकती है पर अगर वह वह बाकी बचे 6 में से 5 मैच भी जीतती हैं तो 16 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंच सकते हैं। इस तरह उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए 6 मैचों में से 5 जीतने होंगे पर अगर वह दो मैचों में हारती है तब उसके 14 अंक होंगे और उसके लिए प्लेऑफ में पहुंचना कठिन हो जाएगा। पिछली बार 14 अंक के साथ भी टीमें प्लेऑफ में पहुंची थीं पर इस बार ये कठिन लग रहा है। इसका कारण है कि गुजरात के अभी 12 अंक हैं पर 6 मैच बाकी हैं। वहीं दिल्ली, आरसीबी, पंजाब और लखनऊ की टीमों के पास अभी 10-10 अंक हैं और इन्हें भी कम से सात मैच खेलने हैं।

अभिषेक की देर रात पार्टी की आदत पर युवराज ने लगाया था अंकुश : योगराज

चंडीगढ़। पूर्व क्रिकेटर और कोच योगराज सिंह अपने विवादास्पद बयानों के कारण हमेशा चर्चाओं में बने रहते हैं। अब योगराज ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे युवा क्रिकेटर अभिषेक शर्मा को लेकर एक अहम खुलासा किया है। योगराज ने कहा है कि एक समय अभिषेक रात-रात भर पार्टी में रहते थे पर मेरे बेटे युवराज सिंह ने उन्हें डांटकर खेलपर पर ध्यान देने कहा जिसकारण ही आज वह यहां तक पहुंचे हैं। योगराज ने हाल ही में एक साक्षात्कर में कहा था कि अभिषेक शर्मा के पिता राजकुमार शर्मा स्वयं एक कोच थे पर अभिषेक उनके हाथों से निकल चुके थे। इसलिए उन्होंने युवराज को कोच की जिम्मेदारी दी थी। युवराज के पास आने के बाद ही अभिषेक नियंत्रण में आये और उनकी जिंदगी में बदलाव आया। योगराज कहा, युवराज की सख्ती का ही ये प्रभाव रहा कि अभिषेक की देर रात की पार्टी की आदत बंद हो गयी। युवराज उनके साथ सख्ती से पेश आए। उन्होंने कभी डांट-फटकार तो कभी प्यार से समझाकर अभिषेक की बुरी आदतों पर लगाम लगाई। उसे रात के 9 बजते ही युवी फोन करते थे कि जाओ सो जाओ। युवराज का डर जब उनके अंदर बना तो वो सही रास्ते पर आने लगे और इसका परिणमाम आपके सामने है। यहां तक कि लॉकडाउन के समय पर तो युवराज ने अभिषेक और शुभमन दोनों को अपने घर पर ही रखा था, जिससे उनकी ट्रेनिंग पर विपरीत प्रभाव ना पड़े। अभिषेक की हर पारी पर युवराज नजर रखते हैं। उनकी अच्छी पारियों की सराहना भी करते हैं और कमजोर पारियों को ठीक करने का तरीका बताते हैं।

मोर्गन बोले, कमजोर बल्लेबाजी के कारण हार रही केकेआर

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि आईपीएल के 18 वें सत्र में टीम के खराब प्रदर्शन का कारण कमजोर बल्लेबाज रही है। मोर्गन ने कहा, 'केकेआर ने उतनी अच्छी तरह से नहीं खेला है जितनी हम चाहते थे। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो एक मजबूत टीम के लिए बहुत अच्छा संकेत होता है लेकिन उसे पूरे टूर्नामेंट में एक जैसी परेशानी का सामना करना पड़ा है।' टीम को अपने घरेलू मैदान में भी चार से तीन मैचों में हार मिली है। उन्होंने कहा, 'गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच की बात करें तो टीम ने बल्लेबाजी क्रम में कुछ बदलाव किए जो जरूरी नहीं थे। अगर वह आराम से बैठकर इस पर विचार करेंगे तो उन्हें भी ये बात समझ आयेगी।' वहीं पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने पारंपरिक शैली में खेलने के लिए गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन की प्रशंसा की, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ इस मैच में में 36 गेंदों में 52 रन बनाकर वर्तमान टूर्नामेंट में अपनी रन संख्या को 400 के पार पहुंचाया। रायुडू ने कहा, 'उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देख कर बहुत खुशी मिलती है। एक कलात्मक बल्लेबाज के रूप में वह दिखाते हैं कि खेल को अब भी परंपरागत शैली में खेला जा सकता है। वह स्मार्ट क्रिकेट खेलते हैं जिससे रन बनते हैं और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।' सत्र में बल्लेबाजी की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ घरेलू मैच के लिए केकेआर की तरफ से किए गए बदलाव कारगर नहीं थे। वहीं, पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन की दिल खोलकर तारीफ की है। केकेआर को सोमवार को अपने होमग्राउंड ईडन गार्डन्स में गुजरात टाइटंस से 39 रन से हार का सामना करना पड़ा।

पूरन ने की प्रशंसक से मुलाकत कर हस्ताक्षर वाली टोपी उपहार में दी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज निकोलस पूरन अपने एक प्रशंसक से मुलाकात कर उसे एक खास उपहार दिया है। नबील नाम का ये जब लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस मैच में तब घायल हो गया था जब पूरन ने लंबा छक्का मारा था और गेंद इसे लग गयी थी। इस प्रशंसक को पूरन ने स्टेडियम में बुलाया और उसका हालचाल पूछने के बाद आने ऑटोग्राफ वाली एक टोपी भी उसे दी। टीम ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी साझा किया है। इस वीडियो में प्रशंसक ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, पूरन सर ने मुझे फोन करके यहां बुलाया है। मैं उनसे मिला और उन्होंने पूछा कि क्या मैं ठीक हूं। मैं भी खेल के लिए आ रहा हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुझे चोट लगी है पर हमारी लखनऊ टीम को जीतते रहना चाहिए। हमारी टीम ने उस दिन जीत हासिल की, इसी बात से मुझे खुशी हुई है। यह हमारी टीम है, ट्रॉफी हमारा सपना है। वहीं पूरन ने इस बार आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक 9 मैचों में 368 रन बनाए हैं और वह सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं।

व्यापार

लगातार 7वें दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी की शानदार रिकवरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार 7वें कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। इस मजबूती के कारण सेंसेक्स आज 18 दिसंबर, 2024 के बाद पहली बार 80 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। हालांकि, बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गया, लेकिन दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में लगातार लिवाली का जोर बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत और निफ्टी 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, मेटल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 430.27 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.37 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,106 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,089 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,866 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,567 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,305 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,262 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 546.50 अंक की मजबूती के साथ 80,142.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 658.96 अंक उछल कर 80,254.55 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण यह सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 750 अंक टूट कर 88.69 अंक की कमजोरी के साथ 79,506.90 अंक के स्तर तक गिर गया। बाजार में आई इस गिरावट के बाद खरीदारों ने एक बार फिर मोर्चा संभाला और आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 600 अंक से अधिक की रिकवरी करके 520.90 अंक की बढ़त के साथ 80,116.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 190.35 अंक की उछाल के साथ 24,357.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन गई। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 192.05 अंक की बढ़त के साथ 24,359.30 अंक के स्तर तक पहुंचा।

अडानी ग्रुप ने टेलीकॉम सेक्टर से खींचे हाथ, 2022 में खरीदा स्पेक्ट्रम एयरटेल को बेचेगा?

नई दिल्ली। भारत और एशिया के दूसरे सबसे अमीर गौतम अडानी ने टेलीकॉम सेक्टर से हाथ पीछे खींचने का फैसला किया है। अडानी ग्रुप ने साल 2022 में जो स्पेक्ट्रम खरीदा था, उसे भारती एयरटेल को बेचने का फैसला किया है। अडानी डेटा नेटवर्क्स स्पेक्ट्रम करीब 212 करोड़ में खरीदा था। अब यह स्पेक्ट्रम एयरटेल को मिल जाएगा। अडानी ग्रुप ने कहा था कि वह इस स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल अपने निजी इस्तेमाल के लिए करेगा, लेकिन टेलीकॉम विभाग के नियमों के मुताबिक स्पेक्ट्रम खरीदने वाली कंपनियों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। ऐसा न करने पर जुर्माना लग सकता है। सुनील भारती मित्तल की अगुवाई वाली कंपनी एयरटेल ने कहा कि भारती एयरटेल और उसकी सहायक कंपनी भारती हेक्साकॉम ने अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी डेटा नेटवर्क्स के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत एयरटेल को गुजरात, मुंबई, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और तमिलनाडु में 26जीएचजेड बैंड का 400 मेगाहर्ज स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार मिलेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि यह सौदा कुछ शर्तों और सरकारी मंजूरियों के बाद पूरा होगा। साल 2022 में अडानी ग्रुप के टेलीकॉम सेक्टर में आने के बाद कई तरह की बातें हो रही थीं। माना जा रहा है कि अडानी ग्रुप वोडाफोन आइडिया जैसी मुश्किलों में फंसी कंपनियों को खरीद सकता है। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट, सीमेंट, डेटा सेंटर, बिजली और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में आक्रामक तरीके से काम किया है। इसलिए माना जा रहा था कि वह टेलीकॉम और डिजिटल सेक्टर में भी रिलायंस जियो जैसा धमाल कर सकता है। लेकिन अडानी ग्रुप ने कहा कि वह सिर्फ अपने निजी इस्तेमाल के लिए स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वह एयरपोर्ट से लेकर बिजली और डेटा सेंटर तक अपने व्यापार को सपोर्ट करने के लिए एक प्राइवेट नेटवर्क बनाना चाहता है। जानकारों का कहना है कि अडानी ग्रुप का फोकस दूसरे बड़े निवेश वाले सेक्टरों पर है। इसलिए उसने टेलीकॉम सेक्टर से बाहर निकलने का फैसला किया। एक जानकार ने कहा कि भारी निवेश और इस बिजनेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण शायद ग्रुप ने इससे दूर रहने का फैसला किया। टेलीकॉम सेक्टर में बहुत पैसा लगाना पड़ता है और कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को 0.40 फीसदी घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया। विश्व बैंक ने पिछले पूर्वानुमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। विश्व बैंक ने ने अपने द्विवार्षिक क्षेत्रीय दृष्टिकोण में कहा कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि निराशाजनक रही, क्योंकि निजी निवेश में धीमी वृद्धि हुई तथा सार्वजनिक पूंजीगत व्यय सरकारी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सके। विश्व बैंक के मुताबिक वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता के बीच देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को घटाने का यह फैसला लिया गया है। टैक्सिंग टाइम्स के दक्षिण एशिया वृद्धि दर अपडेट में कहा गया है, "भारत में विकास दर वित्त वर्ष 2024-25 के 6.50 फीसदी से घटकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3 फीसदी रहने की उम्मीद है। ऐसा मौद्रिक सहजता और विनियामक सरलीकरण से निजी निवेश को होने वाले लाभ के वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता से प्रभावित की आशंका के कारण किया गया है।" अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एक दिन पहले मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विकास दर के पूर्वानुमान को 6.5 फीसदी से घटाकर 6.2 फीसदी कर दिया था। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है।

आयकर भुगतान के 'ई-पे टैक्स' शुरू

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर 'ई-पे टैक्स' सुविधा शुरू की है। विभाग ने कहा कि 'ई-पे टैक्स' के साथ सरलता का एक नया युग शुरू हो गया है। विभाग विभिन्न प्रक्रियाओं को आसान बनाकर करदाताओं की सुविधा के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। सरल और अधिक सुलभ भुगतान विधियों की आवश्यकता को समझते हुए, और करदाताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, बैंकों में लंबी कतारें, थकाऊ फॉर्म भरना और अंतिम समय में कर भुगतान की चिंता के दिन अब खत्म हो गए हैं।

श्रीनगर जाने वाली फ्लाइट्स के किराये पर सरकार की नजर, एयरलाइन कंपनियों को सख्त निर्देश

- मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों को नियमित किराया स्तर बनाए रखने के दिए निर्देश
- श्रीनगर से दो नई दिल्ली और दो मुंबई के लिए 4 विशेष उड़ानों की व्यवस्था की गई

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराये में कोई वृद्धि न हो। मंत्रालय ने कहा कि श्रीनगर के लिए अतिरिक्त उड़ानें भी संचालित की जाएंगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने आज जारी बयान में कहा कि केंद्रीय नागर विमाननमंत्री राममोहन नायडू ने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर प्रभावित पर्यटकों और पीड़ितों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। नागर विमानन मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से गृहमंत्री से बात की और संबंधित अधिकारियों के साथ निकट समन्वय बनाए रखते हुए चौबीस घंटे स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। राम राममोहन नायडू ने तत्काल राहत उपायों के रूप में श्रीनगर से 4 विशेष उड़ानें जिसमें दो दिल्ली और दो मुंबई के लिए व्यवस्था की गई है। साथ ही इसके बाद की निकासी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त उड़ानों को तैयार रखा गया है। उन्होंने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ एक तत्काल बैठक बुलाते हुए किराया में बढ़ोतरी के खिलाफ सख्त निर्देश जारी करते हुए एयरलाइनों को नियमित किराया स्तर बनाए रखने को कहा गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस संवेदनशील समय के दौरान किसी भी यात्री पर बोझ न पड़े। इसके अलावा नायडू ने सभी एयरलाइन कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे राज्य सरकारों और स्थानीय प्राधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए, मृतक व्यक्तियों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। नागर विमानन मंत्रालय पूरी तरह सतर्क है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर मंगलवार को आतंकवादियों ने हमला किया था। इस हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए हैं।

फिल्म कोस्टाओ का ट्रेलर: ईमानदारी का बीड़ा उठाए सिस्टम और तस्कर से लड़ते दिखे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड के मंझे हुए अभिनेताओं में शुमार हैं। वह अपना हर किरदार बड़ी शिद्दत से निभाते हैं। भले ही पिछले कुछ समय से अभिनेता की फिल्में नहीं चल रहीं, लेकिन अपने दमदार अभिनय के चलते नवाज लाइमलाइट में जरूर रहते हैं। अब उनकी एक नई फिल्म कोस्टाओ आने वाली है, जिसका कुछ दिन पहले टीजर रिलीज हुआ था। अब इस फिल्म का ट्रेलर भी दर्शकों के बीच आ गया है। ट्रेलर देख लोग क्या बोले, आइए जानते हैं। ट्रेलर में कोस्?टाओ फर्नांडिस (नवाजुद्दीन) की बहादुरी, बलिदान और सोने की तस्करी करने वाले तस्कर और भ्रष्ट सिस्टम से उसकी लड़ाई दिखाई गई है। वो हीरो, जिसके पास अडिग साहस और जो सही है, उसके लिए खड़े होने की इच्छाशक्ति है। नवाजुद्दीन एक ईमानदार कस्टम अधिकारी बने हैं, जो भारत में सोने की सबसे बड़ी तस्करी को सामने लाना चाते हैं, लेकिन इस रैकेट में अंदर के शक्तिशाली लोगों की मिलीभगत के चलते वह खुद जाल में फंस जाते हैं। फिल्म कोस्टाओ में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के अलावा प्रिया बापट भी मुख्य भूमिका में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में किशोर कुमार, गगन देव रियार और हुसैन दलाल जैसे कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन सेजल शाह ने किया है। निर्माताओं ने ट्रेलर रिलीज के साथ फिल्म की रिलीज तारीख भी बता दी है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर 1 मई से स्ट्रीम होगी। कोस्टाओ के निर्माता विनोद भानुशाली हैं। कोस्टाओ गोवा के एक निडर कस्टम अधिकारी कोस्टाओ फर्नांडीस के प्रेरक जीवन की कहानी है, जो 1990 के दशक में अपने साहसिक मिशन के बाद भारत में सोने की तस्करी के सबसे बड़े प्रयास को विफल कर देता है। फिल्म कोस्टाओ एक बहुत ही प्रासंगिक सवाल भी उठाती है कि आपको ईमानदारी की क्या कीमत चुकानी पड़ती है। इससे पहले फिल्म रौतू का राज में भी नवाजुद्दीन ने एक अधिकारी की भूमिका निभाई थी। फिल्म का ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, इसे कहते हैं एक्टिंग नेपो किड्स। एक ने लिखा, फायर है नवाज भाई। एक लिखते हैं, पुराने अवतार में लौटे नवाजुद्दीन। अब आएगा मजा। एक कमेंट है, अगर फिल्म भी ट्रेलर जितनी शानदार हो तो मजा आ जाए। वैसे उम्मीद तो पूरी है। एक ने लिखा, शानदार है ट्रेलर तो। नवाजुद्दीन के पास कोस्टाओ के अलावा अगली थ्रिलर फिल्म रात अकेली है 2 है। इसमें उनके साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी।

रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 की रिलीज डेट का एलान

27 फरवरी को दुश्मनों से भिड़ेगी शिवानी रॉय

बॉलीवुड की बबली रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म मर्दानी 3 की रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है. रानी के होम प्रोडक्शन यशराज फिल्म्स बैनर तले बनी फिल्म मर्दानी 3 के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा. बीती 13 दिसंबर 2025 को फिल्म रिलीज ईयर का एलान किया गया था और आज फिल्म की रिलीज डेट सामने आई गई है. इसी के साथ फिल्म से रानी का एक पोस्टर भी सामने आया है. इस पोस्टर में रानी गन ताने खड़ी हैं. बीते साल दिसंबर में मर्दानी 2 के पांच साल पूरे होने के मौके पर फिल्म मर्दानी 3 के रिलीज ईयर का एलान किया गया था. वहीं, साल 2024 में मर्दानी (पार्ट 1) ने अपने 10 साल पूरे किए थे. फिल्म का पहला भाग 22 अगस्त 2014 में रिलीज हुआ था. मर्दानी

रानी की हिट फिल्मों में शुमार हैं. मर्दानी 2 साल 2019 में रिलीज हुई थी. अब मर्दानी 3 होली 2026 के मौके पर 27 फरवरी (2026) को रिलीज होने जा रही है. यानि अगली होली पर रानी की मर्दानी 3 बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका करने जा रही है. यशराज फिल्म्स ने अपने पोस्ट में लिखा है, मर्दानी 3 का काउंटडाउन शुरू, शिवानी शिवाजी रॉय होली पर दुश्मनों से लड़ेंगी. मर्दानी 3 को अभिराज मीनावाला डायरेक्ट और आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म में रानी मुखर्जी लीड रोल में हैं. वहीं बाकी की स्टारकास्ट का अभी खुलासा नहीं किया गया है. रानी मुखर्जी की दोनों फिल्मों की कहानी बेहतरीन थी. इसके डायरेक्शन से लेकर, रानी मुखर्जी की परफॉर्मेंस और इसके स्टोरी आइडिया तक सबकुछ सराहनीय था. अब फिल्म में आखिर नया क्या है. इस पर रानी ने बात करते हुए बताया था, फिल्म डार्क और ब्रूटल होगी, हम दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे, मर्दानी 3 घातक और क्रूर है, इसलिए, मैं हमारी फिल्म के लिए लोगों का रिस्पॉन्स देखने के लिए बेताब हूं, मुझे उम्मीद है कि वे इस फिल्म को भी उतनी ही सराहना देंगे जितना पहले की दोनों फिल्मों को मिला है.

द भूतनी का नया गाना रंग लगा जारी, पलक तिवारी संग रोमांस करते दिखे सनी सिंह

दिग्गज अभिनेता संजय दत्त जल्द ही द भूतनी नाम की एक हॉरर कॉमेडी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिद्धांत सचदेव ने संभाली है। मौनी रॉय भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। पलक तिवारी और सनी सिंह भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए दिखाई देंगे। अब निर्माताओं ने द भूतनी का नया गाना रंग लगा जारी कर दिया है, जिसे मुकुंद सूर्यवंशी ने अपनी आवाज दी है। रंग लगा गाने में सनी, पलक और मौनी के साथ रोमांस करते नजर आ रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। पहले यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। बॉक्स ऑफिस पर द भूतनी का सामना अजय देवगन, वाणी कपूर और रितेश देशमुख जैसे सितारों से सजी फिल्म रेड 2 से होगा।

माएरी में गुस्सैल लड़की की भूमिका में नजर आएंगी अपूर्वा अरोड़ा, बताया कैसा रहा अनुभव

अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा शॉर्ट फिल्म 'माएरी में एक गुस्सैल लड़की की भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म मां-बेटी के रिश्तों के संदर्भ को दिखाती है। अपूर्वा ने बताया कि माएरी में खास क्या है? फिल्म में अपूर्वा के साथ सोनाली सचदेव भी हैं, जो अपूर्वा की मां की भूमिका निभा रही हैं। दोनों ने 'फैमिली आज कल में के साथ ही पहले भी कई बार स्क्रीन शेयर

की हैं। यह उनका तीसरा सहयोग होगा। अपूर्वा ने अपनी सह-कलाकार की प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि सचदेव उन्हें वास्तविक जीवन में मां जैसी लगती हैं। प्रोजेक्ट के बारे में अपूर्वा ने बताया, माएरी एक सम्मोहक कहानी है। फिल्म में मेरा किरदार एक गुस्सैल, शरारती लड़की का है, लेकिन जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ती है, आपको समझ में आता है कि वह गुस्सा कहां से आता है। यह पीढ़ियों से चली आ रही भावनात्मक बोझ की झलक है। उन्होंने आगे बताया, फिल्म की कहानी में दिखेगा कि कैसे हम, बेटियों के रूप में अपनी माताओं द्वारा की गई गलतियों को दोहराने की कोशिश नहीं करते हैं और वे भी चाहती हैं कि हम बेहतर करें। लेकिन अपने तरीके से। यही विरोधाभास कहानी को वास्तविक और मार्मिक बनाती है। अभिनेत्री ने बताया कि सोनाली के साथ काम करना उनके लिए एक आशीर्वाद की तरह है। उन्होंने कहा, यह हमारा साथ में तीसरा प्रोजेक्ट है, और हर बार जब हम एक मां-बेटी की जोड़ी का किरदार निभाते हैं, तो अलग ही अनुभव होता है। यह कभी भी एक जैसा नहीं होता है और यही बात इसे रचनात्मक रूप से और भी खास बनाती है। अपूर्वा और सोनाली के बीच का रिश्ता हमारे द्वारा निभाए गए किरदारों से बहुत अलग और खास है। उन्होंने कहा, मैं उनके साथ स्क्रीन शेयर करने, सीन्स पर चर्चा करने और उनके नजरिए से सीखने के लिए वास्तव में आभारी हूं। इसने मुझे एक एक्टर के रूप में आगे बढ़ने में मदद की है।

तमन्ना ने शेयर किया प्यारा वीडियो, फैंस ने खूब पसंद किया

ाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके कमरे के बाहर बत्तखों का एक झुंड नजर आ रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "आपको तब पता चलता है कि आज आपकी छुट्टी का दिन है जब आप अपने कमरे के बाहर बत्तखों के समूह को देखते हैं।" उनके इस हल्के-फुल्के पल को फैंस ने खूब पसंद किया। तमन्ना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में अशोक तेजा की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'ओडेला 2' में नजर आईं, जो 17 अप्रैल को रिलीज हुई। इस फिल्म में उन्होंने एक रहस्यमयी नागा साधु का किरदार निभाया है। फिल्म के निर्माता संपत नंदी ने बताया कि इस किरदार की तैयारी के दौरान तमन्ना पूरी तरह से शाकाहारी हो गई थीं। नागा साधु के लुक के लिए कई तरह के मेकअप और स्किन टोन टेस्ट किए गए क्योंकि तमन्ना की गोरी त्वचा को उस किरदार के सांवले रंग में ढालना एक चुनौती था। बावजूद इसके, अभिनेत्री ने किरदार में गहराई से ढलने की पूरी कोशिश की। इसके अलावा तमन्ना जल्द ही अजय देवगन की फिल्म रेड 2 में नजर आने वाली हैं। फिल्म के नए डांस नंबर 'नशा' में वह अपने हॉट और ग्लैमरस अवतार से दर्शकों को लुभा रही हैं। गाने की पहली बीट से ही इसकी एनर्जी फैंस को आकर्षित कर रही है। तमन्ना ने बताया कि नशा एक हाई-बीट डांस नंबर है जो हर किसी को थिरकने पर मजबूर कर देगा। उन्होंने कहा, "गाने की एनर्जी, म्यूजिक और ग्रूव एक साथ मिलकर इसे शानदार बनाते हैं। 'आज की रात' गाने को मिले प्यार के बाद अब 'नशा' के जरिए एक बार फिर दर्शकों को झूमने का मौका मिलेगा।" फिलहाल तमन्ना का यह रिलैक्स मूड और उनका डांस नंबर दोनों ही सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। बता दें कि फिल्म अभिनेत्री तमन्ना भाटिया सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फैंस को अपनी लाइफ से जुड़ी झलकियां दिखाती रहती हैं।

केसरी चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 3: अक्षय कुमार की केसरी 2 ने मचाया धमाल

काफी समय से अभिनेता अक्षय कुमार फिल्म केसरी: चैप्टर 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म बीते 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को समीक्षकों की तरफ से हरी झंडी मिली, वहीं दर्शकों ने भी फिल्म कहानी को काफी सराहा। भले ही फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत काफी धीमी रही हो, लेकिन वीकेंड पर इसने खूब नोट छापे। आइए जानें केसरी 2 ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, केसरी 2 ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 12.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 29.75 करोड़ रुपये हो गया है। केसरी 2 ने 7.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 9.75 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। इस फिल्म का अनुमानित बजट 150 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। केसरी 2 साल 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के इर्द-गिर्द की भयावह घटनाओं को दिखाती है। फिल्म में अक्षय सी. शंकरन नायर बने हैं, जो एक वकील हैं, जिन्होंने अदालत में ब्रिटिश राज को चुनौती दी और सच्चाई बताने की मांग की।

Pahalgam Attack: 28 dead, several injured in targeted firing

Sketches of Asif Fuji, Suleman Shah and Abu Talha released by security agencies

Amit Shah met the family of deceased in Attack

PM Modi chairs meeting with officials after cutting his Saudi trip

Agency: A pleasant Tuesday afternoon in Pahalgam, Jammu & Kashmir, took shape to be the worst one for tourists as the horrendous terror attack claimed lives of 28 people. Several were left injured as terrorists opened fire in a meadow in Baisaran, which is also known as 'mini Switzerland'. Along with the whole country, several nations including the US, Nepal, Italy and others, have mourned the heart-wrenching terror attack on civilians.

According to officials, heavily armed terrorists ambushed a group of tourists at Baisaran, firing indiscriminately. At least 28 people were killed and dozens injured in the assault that unfolded within minutes. The area, popular with visitors for its scenic beauty, was left in chaos as survivors scrambled for safety.

Baisaran, where the incident took place, is a meadow about five kilometres from the popular tourist destination of Pahalgam. The location is not connected by a direct motorable road and is usually accessed by foot or pony rides. Pahalgam, located about 100 kilometres from the capital Srinagar in Anantnag district of southern Kashmir, also serves as the base camp for the Amarnath Yatra, which is scheduled to begin from July 3.

Among the deceased were two foreigners, whose nationality is yet to be established. Several locals who lost their lives included an Indian Navy officer who got married last week and was on a trip to Kashmir with his wife. Sources have told ET that Lieutenant Vinay Narwal, a native of Haryana, was posted in Kochi.

Prime Minister Narendra Modi, Home Minister Amit Shah have condemned the inhumane attack. The PM even cut short his trip to Saudi Arabia and returned to India, later holding an emergency meeting with EAM Dr S Jaishankar, NSA Ajit Doval, Foreign Secretary Vikram Misri and other officials, taking stock of the Pahalgam terrorist attack in Kashmir. Meanwhile, HM Shah, along with J&K CM Omar Abdullah, LT Gen Manoj Sinha held a security review meeting and assured that "the perpetrators will not be spared." He has also arrived at Baisaran meadow to take stock of the situation.

Security has since been tightened across sensitive zones in the Union Territory. Hours after the Pahalgam assault, security forces foiled an infiltration attempt along the Line of Control in Jammu and Kashmir's Baramulla district on Wednesday. According to the Army's Chinar Corps, the incident occurred in the general area of Sarjeevan at Uri Nala in north Kashmir.

The troops on the LoC challenged and intercepted the infiltrators, leading to a heavy exchange of gunfire. "Heavy exchange of fire between security forces and terrorists, two terrorists have been eliminated, infiltration bid foiled by the security forces in the ongoing Operation," the Chinar Corps confirmed in another post. A large quantity of weapons, ammunition and other war-like stores were recovered from the slain terrorists. The Army said the operation is still underway.

The United States strongly condemned the terror attack. President Donald Trump said that America stands with India in fight against terrorism. "Deeply disturbing news out of Kashmir. The United States stands strong with India against Terrorism. We pray for the souls of those lost, and for the recovery of the injured. Prime Minister Modi, and the incredible people of India, have our full support and deepest sympathies. Our hearts are with you all," said the 47th President of the United States in a post on Truth Social. Meanwhile, US Vice President, who is currently on an official visit to India, also expressed his condolences over the incident. "Usha and I extend our condolences to the victims of the devastating terrorist attack in Pahalgam, India. Over the past few days, we have been overcome with the beauty of this country and its people. Our thoughts and prayers are with them as they mourn this horrific attack," he wrote.

Pakistan's Ministry of Foreign Affairs issued a statement rejecting claims of involvement in the attack. Pakistani Defence Minister and senior leader of ruling PML-N party Khawaja Asif sought to blame violence in Jammu and Kashmir on a "revolution" and "home-grown" forces within the union territory.

The terror attack in Pahalgam has left families across India grieving, as tourists from states like Maharashtra, Uttar Pradesh, Odisha, Gujarat, and Haryana were among the victims. In Pune, Asavari, a 26-year-old HR professional, said her father and uncle were shot at 'mini Switzerland' in Betaab Valley. "There were several tourists around, but the terrorists specifically targeted male tourists after asking whether they were Hindu or Muslim," she told PTI.

Kanpur's Shubham Dwivedi, who had recently married, was also among the dead. "The firing began after names were asked," said his cousin Saurabh Dwivedi. From Maharashtra, at least five deaths were reported. Deputy Chief Minister Eknath Shinde has requested a special flight to bring stranded tourists home. In Haryana, a Navy officer recently married was among the dead.

Jammu & Kashmir Police, the National Investigation Agency (NIA), and other intelligence units are jointly investigating the attack. Indian Army personnel are also investigating at Baisaran meadow. The attack has prompted high-level security reviews across major tourist zones in Kashmir, with surveillance and patrolling significantly ramped up.

What could be the reason of Pahalgam Attack?

- US vice president Vance India tour
- India siding with US
- Close relations with Middle East
- Waqf law
- Growing economy of Jammu & Kashmir
- Less radicalization among youth of Kashmir

To those behind the scenes in Pahalgam attack, we will get you: Rajnath Singh

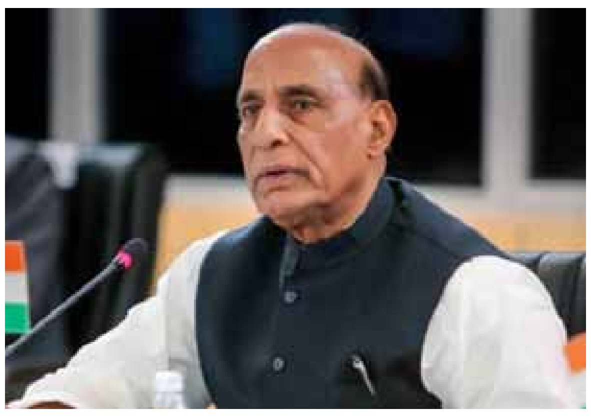

Agency: Union Defence Minister Rajnath Singh on Wednesday issued a stern message to the terrorists and orchestrators of the recent terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam, vowing that India would identify and bring to justice everyone who conspired against it. The attack, which took place on Tuesday (April 22), saw terrorists open fire on a group of tourists visiting the Baisaran meadows in Pahalgam in Anantnag district, killing 26 people, including two foreigners, and injuring several others. The victims, according to reports and witness accounts, were targeted based on their religious identity by terrorists, who were operatives of The Resistance Front (TRF), an offshoot of Pakistani terror outfit Lashkar-e-Taiba (LeT). "We will not only reach out to those who have perpetrated this incident. We will also reach out to those who, sitting behind the scenes, have conspired to commit such nefarious acts on the soil of India," the Defence Minister said while speaking at an event in New Delhi. "We are united in the face of terror and India has a zero-tolerance policy (for terrorism). We will take each and every necessary and appropriate step," he added. Rajnath Singh's remarks came soon after he chaired a high-level meeting with senior defence officials to review the security situation in Jammu and Kashmir in the aftermath of the terror attack. According to reports, the nearly two-and-a-half-hour meeting was attended by National Security Adviser (NSA) Ajit Doval, Chief of Defence Staff Gen Anil Chauhan, Army Chief General Upendra Dwivedi, Navy Chief Admiral Dinesh K Tripathi and Air Chief Marshal AK Singh. During the meeting, Rajnath Singh directed the armed forces to enhance their combat readiness and increase the intensity of anti-terror operations in the valley, news agency PTI reported. Several meetings on the security situation in Jammu and Kashmir have taken place since terrorists opened fire on civilians in the picturesque Baisaran in Pahalgam at around 3 pm on April 22. Even Prime Minister Narendra Modi has asserted that the perpetrators will not be spared and their evil agenda will never succeed. "They (terrorists) will not be spared! Their evil agenda will never succeed. Our resolve to fight terrorism is unshakable and it will get even stronger," PM Modi wrote in a post on X.

Will India avenge Pahalgam terror attack with jets, drones, or something new?

Agency: India is preparing a high-stakes, multidimensional response to the April 22 massacre of 28 civilians, mostly tourists, in Jammu and Kashmir's Pahalgam region. The Resistance Front (TRF), a proxy outfit linked to Lashkar-e-Taiba (LeT) and backed by Pakistan's Inter-Services Intelligence (ISI), has claimed responsibility. The massacre at Baisaran, near the resort town of Pahalgam, was the deadliest since the 2019 Pulwama bombing. But unlike Pulwama, which targeted security forces, this time civilians were the target—foreigners included. Prime Minister Narendra Modi - who cut short his diplomatic mission to Saudi Arabia—held an emergency meeting with national security advisor Ajit Doval and foreign minister S Jaishankar at the Delhi airport soon after landing. "The perpetrators of this cowardly attack won't be spared," Modi reportedly told top security officials, per sources cited by PTI. Union home minister Amit Shah on Wednesday reviewed the security situation at the site of the assault in Pahalgam's Baisaran meadow. The home minister walked through the attack site under tight security and received a detailed briefing from senior officials on the current situation and the operations underway in the region.

Deterrence credibility under pressure: Since 2016, India has twice responded to high-profile terror attacks with cross-border force: the Uri surgical strikes and the Balakot air raids. Another high-casualty strike, especially against civilians, challenges New Delhi to reassert its doctrine of "punitive deterrence." Geopolitical implications: The massacre's timing—overlapping with US Vice President JD Vance's India trip and PM Modi's Saudi outreach—suggests an intent to draw international focus to Kashmir. Ex-Pakistan envoy Husain Haqqani likened the attack to Hamas' October 7 strike on Israel, warning of "portentous ramifications."

India's past retaliatory playbook centers on two defining actions:

Uri surgical strikes (2016): Eleven days after militants attacked an Army base, Indian special forces struck multiple terror launch pads across the LoC in Pakistan-occupied Kashmir. The operation was limited, precise, and publicly declared to assert resolve.

Balakot airstrikes (2019): Following the Pulwama suicide bombing that killed 40 CRPF personnel, India conducted airstrikes deep inside Pakistan's Khyber Pakhtunkhwa province, targeting a Jaish-e-Mohammed training facility.

These responses form the foundation of India's "punitive deterrence" model: Escalate just enough to impose a cost but avoid provoking a wider war. The Pahalgam attack, with its scale, communal targeting, and international optics, tests whether that doctrine still has teeth—or needs an upgrade. Pakistan army chief General Asim Munir's recent rhetoric is now under intense scrutiny by Indian intelligence and strategic circles. His fiery public remarks, particularly branding Kashmir as Pakistan's "jugular vein," are being viewed not just as provocative symbolism but as a signal to militant proxies to escalate operations in the Valley. In a public address earlier this month, Munir said: "Our stance is absolutely clear - Kashmir was our jugular vein, it will be our jugular vein, we will not forget it. We will not leave our Kashmiri brothers in their struggle." Indian officials say the timing of this statement—just days before the Pahalgam attack—was not coincidental. His use of emotionally charged language echoed Pakistan's long-standing two-nation theory and was seen by analysts as an ideological green light for terror outfits seeking relevance amid declining domestic traction in Kashmir. A senior Indian security official described it as "classic dog-whistling," designed to incite action without direct attribution. "They don't need to say 'attack.' Just saying 'jugular vein' is enough for their proxies to get the message," the official said. The Resistance Front (TRF), a front organization of Lashkar-e-Taiba, claimed responsibility for the Pahalgam massacre. TRF has often operated under ISI patronage, giving Pakistan the plausible deniability it needs to deflect blame. What makes the Munir connection more chilling: The language of the attack reportedly mirrored the sectarian tone of Munir's speeches. Survivors said the gunmen forced victims to recite Islamic verses, and those who couldn't were shot at close range.

Just days before the attack, Lashkar commander Abu Musa held a rally in Rawalkot calling for continued jihad in Kashmir, stating: "Jihad will continue, guns will rage and beheading will continue in Kashmir."

Indian intelligence believes this public threat had direct ideological backing from Pakistan's military top brass.

Indian officials now see a pattern of synchronization: Inflammatory speeches followed by high-profile attacks, a tactic meant to destabilize Kashmir, embarrass India globally, and provoke communal unrest.

What they are saying

"Bharat will not bend to terror. The culprits of this dastardly terror attack will not be spared," Union home minister Amit Shah said. Michael Kugelman, Wilson Center: "India will review potential kinetic responses... It may also consider non-military measures such as ending the 2021 LoC truce or suspending the Indus Waters Treaty."

Lt Governor Manoj Sinha: "The terrorists will pay a very heavy price. No mercy."

Ex-Pakistan envoy Husain Haqqani: "The April 22 attack is as portentous as Hamas' October 7 strike. It could reshape regional calculations."

Beyond bombs: Diplomatic and economic levers

India's options aren't limited to missiles and air raids. Officials may also consider these non-kinetic steps:

Revoking the 2021 LoC ceasefire agreement—a signal that Pakistan can no longer rely on "quiet" borders while fostering proxy war.

Suspending or redefining the Indus Waters Treaty, within legal bounds, to squeeze Pakistan's critical river flows.

Intensifying FATF lobbying—citing TRF's link to LeT—to push for Pakistan's return to the grey or black list for terror financing.

These steps rarely offer instant gratification but incrementally raise the cost of harboring terror proxies. They also play well with international partners already voicing outrage over the Pahalgam killings.

India can also use hybrid warfare tactics that avoid full military conflict but still extract a price:

Cyber Ops: Targeting ISI's digital infrastructure to disrupt command-and-control or leak communication intercepts implicating Pakistan.

Smart-border systems: Using sensors, AI, and drones to create "kill boxes" that auto-target infiltrators.

Information warfare: Broadcasting Munir's dog-whistling and TRF's atrocities globally to shift the Kashmir narrative.

What's next

A layered response is the most likely scenario:

Short-term kinetic punch: Balakot or Uri-style strikes or drone attacks on launch pads to reestablish deterrence.

Covert hunt: Targeted eliminations of TRF handlers in Pakistan or PoK via RAW and special units.

Diplomatic escalation: At the UN, FATF, and regional blocs to isolate Pakistan.

Robert Vadra links Pahalgam terror attack to govt's Hindutva push

Agency: Businessman Robert Vadra, husband of Congress MP Priyanka Gandhi, on Wednesday linked the Pahalgam terror attack to BJP government's Hindutva push in the country evoking a strong retort from the BJP. "If you dissect this terrorist act that took place, if they (terrorists) are looking at people's identity, why are they doing this? Because there's a divide that has come about in our country with Hindus and Muslims ... and also christians. Looking at identities and then killing somebody, that's a message to the PM, because Muslims are feeling weakened. The minorities are feeling weakened," Robert Vadra said reacting to the Pahalgam terror attack in which 28 innocent people lost their lives. "Why are we having communal disharmony in our country.

This will create divides. This will create these kinds of organisations feel that Hindus are making a problem for all the Muslims. We don't need that. You ask many Hindus and Muslims together, they help each other. In Covid, we saw they helped each other. They don't understand all these political ways of trying to infuse disorder to win elections," he added.

The BJP was quick to slam Robert Vadra for offering cover to the terrorists instead of condemning them. "Shocking! Sonia Gandhi's son-in-law Robert Vadra shamelessly defends an act of terror, offering cover to the terrorists instead of condemning them. He doesn't stop there, instead, shifts the blame onto India for the atrocities committed by Pakistani terrorists," BJP leader Amit Malviya posted on X. BJP leader Shehzad Poonawalla also slammed Vadra and said that his reactions were at the behest of the Gandhis.

Govt asks airlines to cap Srinagar airfares

Agency: The Civil aviation ministry has asked airlines to ensure there is no surge in airfares on the Srinagar route, and airlines will be operating additional flights to the city. Terrorists struck at a prime tourist location in Pahalgam in south Kashmir on Tuesday, killing at least 26 people, mostly tourists, and injuring several others. Air India and IndiGo will operate a total of four additional flights from Srinagar to the national capital and Mumbai on Wednesday. Airlines have also waived ticket rescheduling and cancellation charges. Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu held an urgent meeting with all airline operators and issued a strong advisory against surge pricing on the Srinagar route. Airlines have been directed to maintain regular fare levels, ensuring that no passenger is burdened during this sensitive time, an official release said on Wednesday. Naidu also spoke to Home Minister Amit Shah and is monitoring the situation closely in coordination with relevant authorities. "As part of immediate relief measures, four special flights from Srinagar—two to Delhi and two to Mumbai—have been arranged, with additional flights kept on standby to cater to further evacuation needs," the release said. Naidu has also directed all airlines to extend full cooperation for the transportation of deceased individuals to their respective home states, working in sync with state governments and local authorities. The ministry remains on high alert and committed to extending every possible assistance to those affected, the release said. Air India will operate a flight from Srinagar to Delhi at 1130 hours and from Srinagar to Mumbai at 1200 hours. "All our other flights to and from Srinagar will continue to operate as per schedule," it said in a post on X. The airline is also offering complimentary rescheduling and full refunds on cancellations to passengers with confirmed bookings till April 30 on these sectors. IndiGo said that in view of the emerging situation in Srinagar, it has extended waivers for rescheduling or cancellations for travel until April 30, applicable to bookings made on or before April 22.